सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 137 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 29 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

संदेशखाली केस का आरोपी शाहजहां शेख गिरफ्तार, ईडी की टीम पर हमले के बाद से था फरार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हिंसा के मुख्य आरोपी और टीएमसी नेता

शाहजहां शेख को गिरफ्तार कर लिया गया है। बंगाल पुलिस ने कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शाहजहां को बीती रात सरबेरिया इलाके से उठाया गया, उसके बाद सुबह करीब पांच बजे बशीरहाट में पुलिस लॉकअप में लाया गया। इसके बाद शाहजहां की गुरुवार सुबह 11 बजे बशीरहाट कोर्ट में पेशी हुई।

शाहजहां शेख की पहचान टीएमसी के एक ताकतवर और प्रभावशाली नेता के तौर पर है. वो संदेशखाली यूनिट का टीएमसी अध्यक्ष भी रह चुका है। पहली बार शाहजहां शेख उस समय चर्चा में आया, जब 5 जनवरी को ईडी की टीम शाहजहां से बंगाल राशन वितरण घोटाला मामले में पूछताछ करने पहुंची थी, उस समय उसके गुर्गों ने ईडी की टीम पर हमला कर दिया था। उसके बाद से ईडी लगातार पूछताछ के लिए शाहजहां शेख को समन जारी कर रही है, लेकिन ईडी टीम पर हमले के बाद से शाहजहां शेख फरार है और उसकी फरारी को 55 दिन हो चुके हैं।

शाहजहां शेख की की गिरफ्तारी के बाद संदेशखाली में जश्न का माहौल है।पिछले कुछ दिनों से संदेशखाली इलाके में विरोध प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोग सड़कों पर आ गए और खूब मिठाइयां बांटी और खुशी में झूमने लगे। सभी ने पिछले 55 दिनों से फरार चल रहे शाजहान की गिरफ्तारी का जश्न मनाया।

गो सेवक साधराम यादव हत्याकांड की जांच करेगी एनआईए, सीएम साय ने की घोषणा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कवर्धा में गो सेवक साधराम यादव की हत्या की जांच एनआईए से कराने की घोषणा की है। गोसेवक साधराम यादव को न्याय दिलाने के लिए सरकार एनआईए जांच की सिफारिश करेगी।

बता दें कि कवर्धा में 20 जनवरी को गौ सेवक साधराम यादव की कथित तौर पर एक विशेष समुदाय के छह लोगों ने हत्या कर दी थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले दिनों साधराम यादव की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाये कम है। साधराम जी के परिजन न्याय मांगने आए हैं। प्रकरण में दोषियों की गिरफ्तारी हो गई है। साधराम जी के परिजनों की मांग है कि घटना की उच्च स्तरीय जांच हो और कड़ी से कड़ी सजा दोषियों को मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम इस घटना की जांच को एनआईए को सौपेंगे।

इस बार किसका बिस्तर समेटेगा बस्तर

बस्तर लोकसभा : कांग्रेस में दीपक बैज की टिकट लगभग तय, भाजपा में दावेदारों की फौज

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। क्या बस्तर इस बार भी सत्ता का साथ देगा? या फिर अपनी प्रचलित परंपरा के विपरीत बस्तर के मतदाता सत्ता के खिलाफ जनादेश देंगे? दरअसल, सन् 2000 में अलग राज्य बनने के वक्त बस्तर ने पहली बार भाजपा का सांसद चुना। राज्य बना तो बहुमत के आधार पर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी। लेकिन 2004 में राज्य बनने के बाद यहां पहली बार हुए चुनाव में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी तो बस्तर से भाजपा का सांसद निर्वाचित हुआ। 2004 से लेकर 2014 तक हुए तीन चुनाव में प्रदेश में भाजपा सत्तारूढ़ रही तो बस्तरिहों का जनादेश भी भाजपा के साथ रहा, लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में बस्तर के मतदाताओं ने एक बार फिर सत्ता का साथ देते हुए कांग्रेस को जीत दिलाई। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इस बार बस्तर का मानस बदलेगा? इस बार बस्तर किसका बोरिया बिस्तर समेटेगा?

एसटी आरक्षित बस्तर लोकसभा सीट देश की उन चुनिंदा सीटों में है, जहां 5 बार स्वतंत्र उम्मीदवार जीते हैं। हालांकि ऐतिहासिक रूप से बात करें तो यह संसदीय क्षेत्र भाजपा का गढ़ था। 2019 के चुनाव में हुए बदलाव के चलते मोदी लहर के बाद भी यहां लम्बे समय बाद कांग्रेस की जीत हुई। बस्तर लोकसभा सीट में पांच जिले शामिल हैं। कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा। वहीं, बस्तर लोकसभा सीट में कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा सहित कुल आठ विधानसभा सीटें आती हैं। 2023 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा बस्तर संभाग की 12 में से 5 सीटें पर जीतीं। इनमें कोंडागांव (एसटी), नारायणपुर (एसटी), जगदलपुर, चित्रकोट (एसटी) और दंतेवाड़ा (एसटी) शामिल हैं। इन सीटों से लता उसेंडी, केदार कश्यप, किरण सिंह देव, विनायक गोयल और चैतराम अटामी क्रमश: विधायक हैं। वहीं, कांग्रेस ने बीजापुर (एसटी), कोंटा (एसटी) और बस्तर (एसटी) सीटों पर जीत हासिल की। इन निर्वाचन क्षेत्रों में क्रमश: विक्रम मंडावी, कवासी लखमा और लखेश्वर बघेल ने विजय हासिल की थी।

भाजपा-कांग्रेस के दावेदार सक्रिय

वर्तमान सांसद दीपक बैज भले ही क्षेत्र में सक्रिय नजर आ रहे हों, लेकिन कांग्रेस से टिकट की प्रत्याशा रखने वालों की कमी नहीं है। हालांकि कांग्रेस के सीनियर नेता यह संकेत पहले ही कर चुके हैं कि राज्य के दोनों सांसदों की टिकट बरकरार रहेगी। कांग्रेस से टिकट के दावेदार हालांकि खुलकर सामने नहीं आए हैं। बावजूद इसके बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, कोंटा विधायक कवासी लखमा, कोंडागांव के पूर्व विधायक मोहन मरकाम, नारायपुर के पूर्व विधायक चंदन कश्यप समेत कवासी लखमा के बेटे हरीश लखमा, भानुप्रतापपुर की विधायक सावित्री मंडावी समेत कुछ और नामों को लोकसभा का दावेदार बताया जा रहा है। कांग्रेस की तुलना में भाजपा की बात करें तो यहां दावेदारों की सूची काफी लम्बी है। इनमें सबसे पहला नाम पूर्व सांसद दिनेश कश्यप का है। उनके अलावा पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, कोंडागांव की विधायक लता उसेंडी, केशकाल के विधायक नीलकंठ टेकाम, विधायक बैदुराम कश्यप, चित्रकोट के पूर्व विधायक लच्छुराम कश्यप, प्रदेश महामंत्री सुभाऊराम कश्यप, जिला भाजपाध्यक्ष रूप सिंह मंडावी और जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप समेत कुछ और नाम हैं।

निर्दलियों ने रचा इतिहास

देश के साथ ही बस्तर में भी 1952 में पहली बार संसदीय चुनाव हुए थे। तब यहां से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मुचाकी कोसा ने जीत दर्ज की। बस्तर के इस पहले चुनाव की खासियत यह थी कि मुचाकी कोसा ने 83.05 फीसद मत हासिल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया। यह अब भी रिकार्ड है। 1957 में जब दूसरी बार चुनाव हुए तो देश में कांग्रेस की सरकार थी। नतीजतन बस्तर से भी कांग्रेस को जीत हासिल हुई। तब कांग्रेस के सुरती किस्तैया ने कांग्रेस की विजय पताका फहराई। हालांकि इसके बाद के 3 चुनावों में लगातार निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की। 1962 में लखमू भवानी की रूप में एक बार फिर निर्दलीय उम्मीदवार जीता तो 1967 में एक अन्य निर्दलीय झाड़ूराम सुंदरलाल विजयी हुए। 1971 में एक बार फिर बतौर निर्दलीय प्रत्याशी लम्बोदर बलियार चुनाव जीतने में कामयाब रहे। आपातकाल के बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस देश की सत्ता से बाहर हुई तो जनता पार्टी को बहुमत मिला। इस वक्त पहली बार बस्तर में जनता पार्टी के दृगपाल शाह ने जीत दर्ज की। लगातार 4 संसदीय चुनाव हारने के बाद कांग्रेस को आखिरकार 1980 में जीत नसीब हुई। उस वक्त कांग्रेस के प्रत्याशी लक्ष्मण कर्मा थे। कांग्रेस की जीत का सिलसिला 1996 तक चलता रहा। लेकिन इसके बाद 1984 में कांग्रेस के युवा नेता मनकूराम सोढ़ी की चुनावी एंट्री ने बस्तर के चुनावी समीकरणों को बदलकर रख दिया। सोढ़ी ने 1984, 1989 और 1991 में लगातार तीन चुनाव जीते। वे 5 बार विधायक और 3 बार सांसद रहे। कई सालों तक बस्तर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे।

...जब महेन्द्र कर्मा ने सोढ़ी को हराया

बस्तर में बनते-बिगड़ते समीकरणों के बीच मुख्यत: निर्दलीय और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने-सामने होते रहे। मनकूराम सोढ़ी की मौजूदगी के बाद कांग्रेस 1984 से लगातार 3 लोकसभा चुनाव जीती, लेकिन 1996 में सोढ़ी को निर्दलीय प्रत्याशी महेन्द्र कर्मा के हाथों पराजय का मुंह देखना पड़ा। 1998 में इस सीट पर भाजपा की एंट्री हुई। भाजपा के बलिराम कश्यप लगातार 4 बार सांसद निर्वाचित हुए। उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा को बस्तर में पैर जमाने का मजबूत अवसर मिला। बलि दादा को बस्तर का बाल ठाकरे भी कहा जाता था। 2011 में उनके निधन के बाद भाजपा ने उनके पुत्र दिनेश कश्यप को प्रत्याशी बनाया। दिनेश ने 2011 में उपचुनाव और 2014 में आम चुनाव जीता। लेकिन इसके अगले ही चुनाव में भाजपा को एक बार फिर पराजय मिली। 2019 में कांग्रेस ने युवा नेता दीपक बैज को भाजपा के बैदुराम कश्यप के मुकाबले के लिए उतारा था। यह वह वक्त था, जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की नई-नई सरकार बनी थी।

हिमाचल में सियासी घमासान: कांग्रेस के छह बागी विधायक अयोग्य घोषित

■ **विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने की बड़ी कार्रवाई**

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के पास बहुमत होने के बावजूद राज्यसभा की सीट भाजपा की झोली में जाने से सियासी घमासान मचा है। कांग्रेस के बागी विधायकों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। सभी छह बागी विधायक अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं।

कांग्रेस के छह बागी विधायकों के भविष्य पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने फैसला सुना दिया है। कांग्रेस विधायक और संसदीय कार्य मंत्री हर्ष वर्धन चौहान ने दलबदल विरोधी कानून के तहत छह विधायकों को अयोग्य ठहराने के लिए याचिका दायर की थी।

स्पीकर ने कल दोनों पक्षों को सुना था। आज स्पीकर ने फैसला सुनाया है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने बताया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत छह विधायकों के खिलाफमुझे याचिका मिली थी। छह विधायक जिन्होंने चुनाव कांग्रेस से लड़ा और दलबदल विरोधी कानून के तहत उनके खिलाफयाचिका मिली। मैंने अपने 30 पेज के आदेश में काफी विस्तार से इसकी जानकारी दी है। मैंने उन छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया है, अब वे विधानसभा के सदस्य नहीं है।

सुकमा के 50 विद्यार्थियों को मिला सोलर होम लाइट संयंत्र, सीएम साय ने किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकार की जनता के प्रति संवेदनशीलता हर दिन के कार्यकलापों की बारीकियों में दिखती है। गुरुवार को बस्तर के सुकमा जिले के सुदूर अंचल में स्थित कोंटा विकासखंड के ग्राम पुवर्ती, सिलगेर और टेकलगुड़ा के 50 विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्य हेतु क्रेडा द्वारा प्रकाश व्यवस्था के लिए सोलर होम लाइट संयंत्र का वितरण मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया। सीएम साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल परिसर में विद्यार्थियों को शैक्षणिक कार्य के लिए सोलर होम लाइट संयंत्र वितरित किया।

इस सोलर होम लाइट संयंत्र में 200 वाट का एक सोलर पैनल, 12.28 वोल्ट की बैटरी, 5 एलईडी लाइट, एक डीसी पंखा, एक डीटीएच और एक मोबाइल चार्ज शामिल है। इस अवसर पर जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव, नितिन नबीन सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानन्द, क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश सिंह राणा, रायपुर कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह भी उपस्थित रहे।

बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो यही हमारी सरकार का प्रयास

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। बस्तर का पूर्ण विकास हमारी प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ सरकार बस्तर के आदिवासी अंचल के नागरिकों को सभी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सोलर होम लाइट बच्चों के जीवन में शिक्षा का उजियारा फैलाएंगे और बच्चों को तकनीक से जुड़ने की सीख भी देंगे कि कैसे उनकी प्राकृतिक दुनिया के साथ ही आधुनिक दुनिया भी चमत्कार से भरी है दोनों से सीखते चलें तो उज्ज्वल भविष्य का रास्ता स्वत: खुलता जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा से आए विद्यार्थियों को सोलर लाइट संयंत्र प्रदान करते हुए उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सोलर लाइट के प्रकाश से आप सभी बेहतर ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके राजधानी रायपुर भ्रमण के अनुभव भी जाने। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई विद्यार्थियों को पहली बार बस्तर से बाहर देश-दुनिया देखने का अवसर मिला है। इस मौके का पूरा लाभ उठाकर सीखने का प्रयास करें। सुकमा जिले के विद्यार्थियों को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी संबोधित किया। श्री शर्मा ने कहा कि बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए सभी सुविधाएं हम उपलब्ध कराएंगे।आप यहां से राजधानी रायपुर भ्रमण के नए अनुभवों को साथ लेकर जाएंगे। घर जाकर अब सोलर लाइट के उजाले में खूब मन लगाकर पढ़ाई करें। आपको बेहतर भविष्य देना ही हमारा लक्ष्य है।

नियद नेल्ला नार- आपका अच्छा गांव योजना

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर के विकास के लिए हमने नियद नेल्ला नार- आपका अच्छा गांव योजना शुरू की है। इस योजना का मकसद है की शासन के द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ आदिवासी अंचल में रह रहे लोगों को सुगमता से मिले। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि बस्तर के लोगों को अच्छी सड़क, बिजली,पेयजल और पक्का आवास मिले। उनके पास बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हो। बच्चों के पढ़ने के लिए अच्छे स्कूल हों। सभी का आधार कार्ड और राशन कार्ड बने, ताकि दूरस्थ क्षेत्र में रह रहे हमारे आदिवासी भाई-बहन भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ें। बस्तर क्षेत्र के विकास से ही हम एक विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण कर सकते हैं।

कवर्धा में जिला पंचायत सीईओ के सुरक्षाकर्मी ने की खुदकुशी

■ **खुद के सर्विस रायफल से मारी गोली, खून से लथापथ मिला शव**

कबीरधाम। कवर्धा जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल के सुरक्षाकर्मी कृष्ण कुमार साहू ने खुदखुशी कर ली है। उसने अपने ही सर्विस रायफल से खुद को गोली मार ली। गुरुवार की सुबह उसके कमरे में उसका शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की जानकारी मिलने पर आज सुबह पुलिस की टीम पहुंची और शव को पीएम के लिए भेजा गया। मामला जिले के सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार कृष्ण कुमार साहू बिलासपुर जिले के सीपत का रहने वाला था। वह एक साल से कवर्धा जिला पंचायत सीईओ की सुरक्षा में तैनात था। बताया जा रहा है कि बुधवार को वह कवर्धा के कॉलेज ग्राउंड में आयोजित सरस मेला कार्यक्रम के दौरान ड्यूटी पर था। रात करीब 11 बजे वह अधिकारी के बंगले में आया और खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। इसके बाद सुबह उसकी खून से लथपथ लाश दिखी। बंगले में काम करने वाली महिला कर्मचारी सुरक्षा कर्मी के नहीं आने पर उसके कमरे में गई, तो देखा कि जवान अपने बेड पर खून से लथपथ पड़ा हुआ है। उसके पास ही गन रखी थी। पुलिस को आशंका है कि गनमैन ने रात में ही खुद को गोली मार ली थी। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि जवान ने आत्महत्या क्यों की।

नशा शराब में होता तो, नाचती बोतल

श्रीकंचनपथ

फिल्म शराबी का यह गीत काफी कुछ साफ-साफ कहता है। गीत में हुस्न, जवानी, मोहब्बत से लेकर हवा, पानी, धूप यहां तक कि बादलों पर छाने वाले नशे का भी जिक्र है। पर यहां हम बात कर रहे हैं एक ग्रामीण स्कूल के गुरुजी की। गुरुजी पाकेट में बोतल और चखना लेकर स्कूल आते हैं। वैसे वो हमेशा ही नशे में रहते हैं। पर इस बार साहब ने हद कर दी। नशे में धुत्त होकर स्कूल पहुंचने के बाद प्रार्थना के लिए खड़े बच्चों से कह दिया, आज छुट्टी है घर जाओ। इसके बाद स्टाफ रूम में बैठकर बोतल चखना निकालकर टेबल पर सजाया और लगा पेग बनाने। वहीं सामने स्कूल की प्रधानपाठक बैठी थी। उनके सामने ही बंदे ने घूंट लगाने शुरू कर दिये। किसी ने मोबाइल पर इस नौटंकी का पूरा वीडियो बना लिया। वीडियो बनाने वाले का काम आसान करते हुए गुरुजी ने उसके सामने ही पेग बनाए, लगाए और चखने का चटखारा भी लिया। साथ ही यह भी कहा कि इसे बीईओ, डीईओ, कलेक्टर सबको दिखा दो। यह सीन भी इसी फिल्म का प्रतीत होता है। इसमें व्हिस्की के नशे में चूहा बिल्ली को ही दौड़ाने लगता है। वैसे कहना मुश्किल है कि गुरुजी दारू के नशे में बहक रहे थे या बहक कर स्कूल में दारू पी रहे थे। हालांकि, ग्रामीणों के मुताबिक यह गुरूजी हमेशा नशे में ही रहता है। अकसर स्कूल में ही पीने लगता है। वैसे भी सुबह 7:30 बजे शुरू होने वाले स्कूल में गुरुजी 10:30 बजे तक पहुंचते हैं। सवाल उठता है कि आखिर ग्रामीण काहे का नशा करते हैं। इस स्कूल में उनके बच्चे पढ़ते हैं। स्कूल समय पर खुल और बंद हो रहा है या नहीं, वहां पढ़ाई हो रही है या नहीं, इसपर उनकी नजर क्यों नहीं है। क्या वो इंतजार कर रहे थे कि एक दिन गुरूजी स्कूल में हेडमास्टर के सामने पेग लगाएंगे। वीडियो वायरल होगा तो कलेक्टर तक बात अपने आप पहुंच जाएगी। यदि ऐसा ही है तो उस गुरूजी को धन्यवाद देना चाहिए जिसने शासन-प्रशासन का ध्यान शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मचहा की ओर आकर्षित किया। अब इस अनाम से स्कूल की सारी समस्याएं चीख-चीख कर अपनी कहानी आप बयां कर रही हैं। समस्या केवल गुरुजी के पीने की नहीं है। समस्या स्कूल के समय पर नहीं खुलने, वहां पढ़ाई नहीं होने, हेडमास्टर साहिबा के चुप रहने की भी है। कोई कितना भी दबंग क्यों न हो, यदि गांव का गांव उसके खिलाफउठ खड़ा हो तो उसकी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकती। लगता है अब गांव वालों को भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि स्कूल में पढ़ाई हो रही है या नहीं। बच्चा एक वक्त का गर्म भोजन कर रहा है, इतने में ही वह संतुष्ट है। वैसे भी सरकारें मुफ्त चावल, खैराती राशि और बेतहाशा समर्थन मूल्य देकर पुरुषार्थ को दोयम दर्जे पर धकेल ही चुकी हैं।

संपादकीय

हिमाचली हलचल

हिमाचल में तेज हुई सियासत पर सभी की निगाह का टिकना स्वाभाविक है। ऐसा कम ही होता है, जब भाजपा की मजबूत राजनीतिक रणनीतियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पार्टी में साफदिख रही टूट के बावजूद जिस तरह से कांग्रेस अपनी सरकार को बचाने की कोशिश में लगी है, उससे लगता है कि आने वाले दिनों में भारतीय राजनीति में संघर्ष के नए पहलू देखने को मिलेंगे। छह विधायकों के पाला बदलकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने से कांग्रेस की सरकार पर संकट मंडराने लगा था। ऐसा लग रहा था कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस विधायकों का वोट लेकर जीतने वाली भाजपा हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार को भी आसानी से सत्ता से बेदखल कर देगी। भाजपा विधायक इसके लिए सक्रिय भी हो गए थे। लगने लगा था कि विधानसभा की 68 सीटों में से कांग्रेस के पास 40 और भाजपा के पास 25 सीटें हैं, तो छह कांग्रेस विधायकों के पालाबदल से अविश्वास प्रस्ताव का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, पर ऐसा नहीं हुआ। कम से कम छह उदाहरण हैं कि भाजपा ने मजबूत रणनीति के बल पर विरोधियों के हाथों में आई सत्ता पर भी अपना शिकंजा कसा है। अभी एकाधिक राज्यों में भाजपा के पक्ष में जो पालाबदल मतदान हुआ है, उससे भी विपक्ष की कमजोर इच्छाशक्ति और दिशाहीन रणनीति का पता चलता है। हालांकि, राज्यसभा चुनाव हारने और सरकार पर आए संकट से निपटने के लिए कांग्रेस के कुछ नेता जिस तरह से सक्रिय हुए, उससे कांटे के सियासी संघर्ष में कांग्रेस दमखम के साथ लौटती दिखी है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से इस्तीफा मांग रहे हैं, पर वह 14 अन्य भाजपा विधायकों के साथ विधानसभा से निलंबित हो गए हैं। ऐसे में, विधानसभा में तुलनात्मक रूप से भाजपा कमजोर हो गई है। राजनीति में यह नई बात नहीं है, समय और रणनीति के हिसाब से पलड़ा कभी हल्का, तो कभी भारी होता रहता है। कभी आक्रामक दिख रही पार्टी को रक्षात्मक भी होना पड़ता है और फिलहाल कांग्रेस आक्रामक है। जिस तरह से या जिन हालात में विधानसभा से 15 विधायकों को निलंबित किया गया है, उसकी प्रशंसा नहीं की जा सकती, पर आज के समय में सत्ता के लिए जिस तरह की प्रतिस्पर्द्धा चल पड़ी है, उससे अगर कोई बचेगा, तो सियासत में कहां बचेगा, सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इसमें कोई शक नहीं है कि हिमाचल में कांग्रेस के खेमे में असंतोष पल रहा था, इसी वजह से एक मंत्री विक्रमादित्य ने इस्तीफा दे दिया। ध्यान रहे, विक्रमादित्य कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे वीरभद्र सिंह के पुत्र हैं और उनके जाने से कांग्रेस को नुकसान तय है, अत: पार्टी नेतृत्व बीच-बचाव में जुट गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने भी कह दिया है कि 'विक्रमादित्य सिंह का इस्तीफा स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं है। विक्रमादित्य मेरे छोटे भाई जैसे हैं और उनकी सभी शिकायतें दूर की जाएंगी।' कहना न होगा कि शिकायतें अगर पहले ही दूर कर दी जातीं, तो कांग्रेस इस मुसीबत में नहीं पड़ती। सरकार फिलहाल बचा लेने के बाद कांग्रेस खेमे में खुशी है और कहा जा रहा है कि भाजपा की साजिश को नाकाम कर दिया गया, पर इतिहास गवाह है, जहां भी विरोधियों ने ऐसे संतोष का परिचय दिया है, भाजपा ने वहीं अपनी सत्ता का महल खड़ा किया है। खैर, आम चुनाव सामने है और चौंकाने वाली सियासी उठापटक देखने के लिए तैयार रहना चाहिए।

> जिस तरह से या जिन हालात में विधानसभा से 15 विधायकों को निलंबित किया गया है, उसकी प्रशंसा नहीं की जा सकती, पर आज के समय में सत्ता के लिए जिस तरह की प्रतिस्पर्द्धा चल पड़ी है, उससे अगर कोई बचेगा, तो सियासत में कहां बचेगा, सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है।

पश्चिमी प्रतिबंधों की आंच

रूस पर लगे नए पश्चिमी प्रतिबंधों की आंच भारत तक पहुंच गई है। रूस में विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत और यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरा होने के मौके पर अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने रूस और उससे कारोबार कर रही विदेशी कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए। इस बार उन्होंने भारतीय कंपनियों को नहीं बख्शा, जबकि उसके पहले तक आम तौर पर रूस पर लगे प्रतिबंधों से भारत अछूता रहा था। ईयू के ताजा प्रतिबंधों के दायरे में सेमीकंडक्टर अनुसंधान से जुड़ी चेन्नई स्थित कंपनी एआई2 माइक्रोसिस्टम्स भी आई है।

इस कंपनी की भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना तकनीक मंत्रालय के साथ सहभागिता है। इस रूप में कहा जा सकता है कि परोक्ष रूप से ईयू के प्रतिबंधों के दायरे में भारत सरकार भी आ गई है। एआई2 माइक्रोसिस्टम्स के रूसी कंपनियों के साथ कारोबारी रिश्ते बताए जाते हैं। एक अखबार की खबर के मुताबिक उस पर एवं अन्य कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों का भारत पर क्या असर होगा, इसका भारत सरकार अभी आकलन कर रही है।

इस बीच मीडिया में ऐसी खबरें भी आई हैं कि भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नए प्रतिबंधों से प्रभावित होने लगा है। गुजरे दो साल में रूस के सस्ते कच्चा तेल को शोधित कर विश्व बाजार में बेचना कई भारतीय कंपनियों के लिए बेहद लाभकारी साबित हुआ। लेकिन आम अंदाजा है कि 2024 में इसे जारी रख पाना कठिन हो जाएगा। तो अब बड़ी तस्वीर यह उभरती है कि भू-राजनीतिक कारणों से पश्चिमी देश अब तक भारत के साथ जो खास रियायत बरत रहे थे, वह दौर अब गुजर रहा है।

हाल में अन्य मामलों में भी दिखा है कि पश्चिमी देशों का भारत के प्रति रुख अचानक सख्त होने लगा है। संभवत: इसका कारण यह हो सकता है कि भू-राजनीतिक टकराव में अपने हक में भारत जिस भूमिका की उम्मीद उन्होंने बांधी थी, भारत ने उसके मुताबिक चलने से इनकार कर दिया। भारत संभवत: अपने हितों को साधने के लिए पश्चिम के करीब जा रहा था। इन दोनों मकसदों में टकराव का असर अब देखने को मिल रहा है।

डब्लूटीओ से ना-उम्मीदियां

पश्चिम और चीन के बीच संबंध उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं कि उनके बीच विश्व-व्यापी मुक्त व्यापार पर समझौता होने की संभावना न्यूनतम बनी हुई है। इस टकराव का ही परिणाम है कि डब्लूटीओ गतिरोध का शिकार हो गया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 13वीं मंत्री स्तरीय बैठक अबू धाबी में बिना ज्यादा उम्मीद के माहौल में शुरू हुई है। दुनिया के मौजूदा रूझान के बीच यह मंच निष्प्रभावी अवस्था में पड़ा दिख रहा है। ऐसी संभावना नहीं है कि अबू धाबी बैठक में उन मूलभूत समस्याओं का निवारण होगा, जिसकी वजह से यह संगठन अपेक्षित भूमिका नहीं निभा पा रहा है। डब्लूटीओ के साथ सबसे बड़ी दिक्कत उसकी अपीलीय संस्था का निष्क्रिय अवस्था में पड़ा होना है। 2019 से विवाद निपटारे की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इस संस्था में जजों की नियुक्ति को अमेरिका ने रोक रखा है। तब डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति थे, जो मुक्त व्यापार की नीति के घोषित विरोधी थे। मगर जनवरी 2021 में राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडेन ने भी डब्लूटीओ के बारे में नीति बदलने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध को जारी रखा। बल्कि एक कदम और बढ़ते हुए वे अमेरिका में औद्योगिक नीति लागू करने में जुट गए। ये दोनों कदम सिरे से डब्लूटीओ के नियमों और भावना के खिलाफ हैं। उधर दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश चीन ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर रहते हुए अलग-अलग देशों और देश-समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने की नीति अपना रखी है। वैसे, चूंकि डब्लूटीओ उसके लिए फायदेमंद साबित हुआ है, इसलिए वह इस मंच को सक्रिय करने में भी जुटा हुआ है।

> फौज बेशक यह मानकर चल रही है कि सत्ता से इमरान खान को दूर रखने की उसकी मंशा पूरी हो गई है, लेकिन इस चुनाव ने उसकी छवि को काफी नुकसान पहुंचाया है। कहा जाता है कि पाकिस्तानी फौज कोई जंग जीतती नहीं, और कोई चुनाव हारती नहीं। मगर इस बार उसकी यह तस्वीर खंडित हो गई। अब पूर्व में जताए गए कयास के अनुसार, पीएमएल-एन और पीपीपी मिलकर सरकार बनाने जा रही है।

पाकिस्तान में अभी भी सरकार का इंतजार

सुशांत सरीन, सीनियर फेलो, ओआरएफ

पाकिस्तान में चुनाव खत्म हुए तीन हफ्ते हो गए, लेकिन यह एक मजाक ही है कि अभी तक पूरे नतीजे स्पष्ट नहीं हैं। कौमी असेंबली (निचले सदन) का स्वरूप हमें मोटे तौर पर जरूर पता है, लेकिन किसको कितनी सीटें आई हैं, इस पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आलम यह है कि हर दूसरे-तीसरे दिन एक नया 'नोटिफिकेशन' जारी हो रहा है। स्थानीय स्तर पर कई उम्मीदवारों की जीत को चुनौती दी जा रही है। कुछ सीटों पर तो फिर से मतगणना का काम चल रहा है।

एक अन्य विवाद कौमी असेंबली की आरक्षित सीटों पर भी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को ये दी जाएं या नहीं, क्योंकि आजाद उम्मीदवार के तौर पर चुने गए नेताओं ने अब एक नई पार्टी का गठन किया है। बेशक, पाकिस्तान के लिए ऐसे हालात नए नहीं हैं, लेकिन इस बार चुनावों में जिस बड़े पैमाने पर धांधली हुई है, उसका कहीं और उदाहरण देखने को नहीं मिलता।

वहां यह पूरी उलझन इसलिए बनी हुई है, क्योंकि चुनाव के नतीजों ने सभी को चौंका दिया है। शायद ही किसी को अंदेशा था कि इमरान खान इतनी मजबूती से सामने आएंगे। फौज की तमाम कार्रवाइयों के बावजूद उन्होंने 90 से अधिक सीटें जीतीं। यह चमत्कार तब हुआ, जब वह खुद जेल में हैं और उनके नेताओं ने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। आरोप यह भी है कि 30-40 सीटें ऐसी हैं, जहां का रुझान इमरान खान के पक्ष में था, लेकिन रात के अंधेरे में वहां के परिणाम उनके विरोधियों की झोली में डाल दिए गए। यानी, अगर चुनाव निष्पक्ष होते, तो इमरान खान स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौट आते।

स्पष्ट है, पाकिस्तान के आम चुनाव का एकमात्र संदेश यही है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद इमरान खान विजयी हुए हैं और फौज को सबसे करारी हार मिली है। नवाज शरीफ की तो दुर्गति हुई ही है और उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज महज 75 सीटों पर सिमट गई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्लमेंटेरियन, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (एस), अवामी नेशनल पार्टी जैसी फौज की अन्य कठपुतली पार्टियों का तो सूपड़ा साफहो गया है। कहा यह भी जा रहा है कि इस चुनाव से नवाज शरीफ की पार्टी की राजनीतिक चूलें हिल गई हैं और यह शायद उसका आखिरी चुनाव है।

फौज बेशक यह मानकर चल रही है कि सत्ता से इमरान खान को दूर रखने की उसकी मंशा पूरी हो गई है, लेकिन इस चुनाव ने उसकी छवि को काफी नुकसान पहुंचाया है। कहा जाता है कि पाकिस्तानी फौज कोई जंग जीतती नहीं, और कोई चुनाव हारती नहीं। मगर इस बार उसकी यह तस्वीर खंडित हो गई। अब पूर्व में

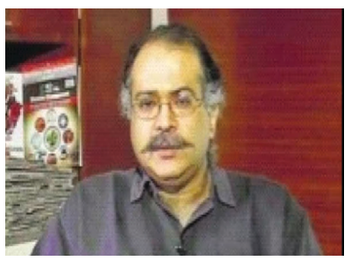

जताए गए कयास के अनुसार, पीएमएल-एन और पीपीपी मिलकर सरकार बनाने जा रही है। इसमें मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम) भी शामिल होगी, जिसके बारे में कहा जाता है कि करांची की सीट उसको जबरिया जितवाई गई।

चूंकि अब मिली-जुली सरकार का गठन होने जा रहा है, इसलिए इसमें सभी दल अपने-अपने हिस्से को लेकर काफी मुखर हैं। खबर है कि 54 सीटें जीतने वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने राष्ट्रपति पद मांगा है, जिस पर मार्च के पहले पखवाड़े में चुनाव होने जा रहा है। इसके अलावा, सीनेट, यानी ऊपरी सदन में सभापति और कुछ गवर्नर का पद भी वह मांग रही है। इसी तरह, एमक्यूएम ने भी कुछ महत्वपूर्ण मंत्रालय और गवर्नर पद लेने की इच्छा जताई है। इन सब पर भले ही रजामंदी होती दिख रही है, लेकिन नई सरकार के सामने दो बड़ी चुनौतियां होंगी।

पहली, बड़ी संख्या में जीत हासिल करके आए इमरान के सांसदों को क्या सरकार शांत रख सकेगी? अभी कागज पर विपक्ष काफी मजबूत दिख रहा है। हालांकि, 2018 के चुनाव में भी इमरान खान के खिलाफ एक मजबूत विपक्ष सदन में था, लेकिन वह कमोबेश चुपचाप ही रहा। मगर इस बार नया इतिहास रचा जा सकता है। जिस तरह से पीटीआई ने चुनाव में गोलबंदी की, लगता नहीं है कि उसके नेतागण सदन में खामोश रहेंगे। फौज की दमनात्मक कार्रवाइयों के बाद मिली इस जीत की खुराक उनकी ऊर्जा बढ़ा सकती है, जिससे पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

दूसरी चुनौती, नई सरकार फौज के दबाव से किस कदर निपटेगी? चूंकि फौज की शह पर ही यह सरकार बन रही है, तो स्वाभाविक ही उसका दबाव नए हुक्मरानों पर होगा। इसीलिए यह अभी से कहा जा रहा है कि शहबाज शरीफ बेशक प्रधानमंत्री बनने वाले हैं, लेकिन वह एक मुखौटा ही होंगे, आर्थिक, विदेश, सुरक्षा आदि से जुड़ी तमाम अहम नीतियां सेना मुख्यालय से तय होती रहेंगी। इसमें एक मुश्किल यह भी है कि खुद फौज अभी रक्षात्मक मुद्रा में है। चूंकि, तमाम कोशिशों के बाद चुनाव में उसे नाकामी मिली है और पाकिस्तान का खजाना भी खाली है। इतना ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान अनवरत साख के संकट से जूझ रहा है। इसलिए, वहां तत्काल सख्त फैसले लेने की अनिवार्यता होगी। ऐसे में, फौज की मंशा यह हो सकती है कि कड़े कदमों के कारण आम लोगों में पनपने वाली नाराजगी का खामियाजा राजनेता भुगतें। इसके लिए नई सरकार कितनी तैयार होगी, यह कहना कठिन है। अलबत्ता, पीपीपी भी संभवत: इसी वजह से कुछ वक्त तक बाहर से समर्थन देने की बात कह रही है, ताकि सारा सिरदर्द पीएमएल-नवाज के हिस्से में आए।

यही वह मोड़ है, जहां से पाकिस्तान का राजनीतिक भविष्य अंधकारमय आंका जा रहा है। कहा जा रहा है कि फौज व हुकूमत में बढ़ती तनातनी के कारण डेढ़-दो साल से अधिक यह सरकार नहीं चलेगी। इसके बाद किसी अन्य राजनीतिक वास्तविकता से लोगों का सामना हो सकता है। सवाल है, क्या इससे बचा जा सकता है? एक तस्वीर बन सकती है। यह हो सकता है कि सभी राजनेता मिलकर फौज को ही हुकूमत से बेदखल करने की कवायद करें। यह अब इसलिए भी मुमकिन है, क्योंकि अभी फौज के पास कोई विकल्प नहीं है। शहबाज शरीफ अगर उसे आईना दिखा दें, तो इमरान खान से छत्तीस का आंकड़ा होने के कारण उसके हाथ-पैर सिमट जाएंगे और सत्ता में उसकी दखलंदाजी रुक सकती है। हालांकि, पाकिस्तान के सियासतदान इसके लिए जरूरी सूझ-बूझ दिखाएंगे, यह अपने आप में एक अबूझ पहेली है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ताकि प्रतियोगी परीक्षाओं में कभी कोई सेंध न लगा पाए

हरिवंश चतुर्वेदी, मुख्य शिक्षा सलाहकार, बिमटेक

सरकारी नौकरियां लगातार कम हो रही हैं, मगर इनका आकर्षण बढ़ता जा रहा है और इसी के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। एक सर्वे के अनुसार, बीते पांच वर्षों में 15 राज्यों में 41 बार प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हुई हैं, जिनसे करीब 1.5 करोड़ युवा परीक्षार्थी प्रभावित हुए हैं। हाल में 17-18 फरवरी को उत्तर प्रदेश पुलिस में 67,000 पदों के लिए 43 लाख युवाओं ने परीक्षा दी थी, पर पेपर लीक होने से परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ीं।

क्या इन घटनाओं से यह जाहिर नहीं होता कि इन परीक्षाओं को आयोजित करने वाला तंत्र भ्रष्ट और निकम्मा हो चुका है? क्या करोड़ों युवाओं की जिंदगी के साथ खिलवाड़ नहीं हो रहा है? पेपर लीक की घटनाएं राष्ट्रीय स्तर पर इतनी बड़ी समस्या बन चुकी हैं कि पिछले दिनों केंद्र सरकार को संसद में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों के प्रयोग की रोकथाम) विधेयक, 2024 लाना पड़ा, जो दोनों सदनों द्वारा पारित हो चुका है। इसके अंतर्गत पेपर लीक करने और सार्वजनिक परीक्षाओं में किसी भी तरह के अनुचित साधनों का उपयोग करने वालों को दस साल तक की कैद और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा, पर सवाल पैदा होता है कि क्या सिर्फ कानून बनाने से इस बीमारी का इलाज हो सकेगा? हमें गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की बढ़ती घटनाएं क्या अभी हाल में पैदा हुई हैं? समाज में संपन्नता बढ़ रही है, तो आने वाले समय में ज्यादातर युवाओं को पैसे और नकल के बल पर ही नौकरी मिलेगी? अगर लोग किसी भी कीमत पर सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए उतारू हो जाते हैं, तो बाजार आधारित पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और तंत्र के चरमरा जाने का खतरा पैदा हो सकता है।

अब वक्त आ गया है कि सरकारी नौकरियों की चयन-प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किए जाएं। इस काम में डिजिटल टेक्नोलॉजी या सूचना प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हालांकि, गलत तत्वों का हस्तक्षेप होगा, तो डिजिटल टेक्नोलॉजी के उपयोग से भी हल नहीं निकलेगा। मध्य प्रदेश के व्यापम घोटाले में यही जाहिर हुआ था कि भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और राजनीतिक हस्तक्षेप से राज्य की सरकारी नौकरियां दुष्प्रभावित हुई थीं। निष्कर्ष यही निकलता है कि इस सामाजिक कैंसर के इलाज के लिए मौजूदा ढांचे में बुनियादी बदलाव की जरूरत होगी। जहां तक विश्वविद्यालयों में वार्षिक परीक्षाओं में पेपर लीक का मामला है, तो कई विश्वविद्यालयों में तकनीक के उपयोग द्वारा समस्या का हल निकाला जा सका है। 2009 में कर्नाटक के विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक बड़ा प्रयोग शुरू हुआ, जिसमें प्रश्नपत्र को डिजिटल ढंग से परीक्षा केंद्रों को भेजा जाने लगा। इसमें पेपर लीक रोकने का चौकस प्रबंध था। उत्तर पुस्तिका की स्कैनिंग करके मूल पुस्तिकाओं की प्रतिलिपि परीक्षकों को दी गई। परीक्षकों को केंद्रीय मूल्यांकन के लिए बुलाया गया और उन्हें कंप्यूटर पर मूल्यांकन करने को कहा गया। इस तरह इंजीनियरिंग की सेमेस्टर परीक्षाओं में पेपर लीक व परीक्षाफल घोषित करने में लगने वाले समय को कम किया जा सका। ऐसे प्रयोग कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में भी हुए हैं।

क्या सिर्फ सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा पेपर लीक की समस्या का समाधान संभव है? कदापि नहीं, क्योंकि आईटी एक टूल या औजार है, जिसे परीक्षा संचालित करने वाले नियामकों को पूरी ईमानदारी, जवाबदेही और प्रतिबद्धता के साथ इस्तेमाल करना होगा। वे कौन लोग हैं, जो इस परीक्षा तंत्र को संचालित करते हैं? ये हैं परीक्षा नियंत्रक, विषय के विशेषज्ञ, पेपर सैटर, मॉडरेटर और पेपर की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने वाले आईटी अधिकारी, इन सभी स्तर पर चोरी रोकने की जरूरत है। देश में शिक्षित बेरोजगारी की समस्या पर निरंतर सोचना होगा और रोजगार को तेजी से बढ़ाना होगा। अब समय आ गया है कि देश के दिग्गज शिक्षाविद और तकनीकी विशेषज्ञ मिलकर विचार करें कि परीक्षाओं को कैसे चाक-चौबंद किया जाए?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

गंभीर संकट बनती वॉयस क्लोनिंग की चुनौती

अली खान

मौजूदा दौर में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक ने सुविधाओं में इजाफा किया है, वहीं इसके गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। इन दिनों कृत्रिम मेधा के उपयोग से विकसित वॉयस क्लोनिंग की समस्या काफी गंभीर समस्या बनकर उभर रही है। दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उत्पन्न वॉयस क्लोनिंग डीपफेक के एक नए रूप में सामने आ रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में साइबर अपराधी इसका इस्तेमाल पैसे ऐंठने के लिए कर रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोग अपनी पहचान वालों की आवाज तक को कॉपी करने लगे हैं, जिसे एआई वॉयस क्लोनिंग कहते हैं। इसके विकास के साथ-साथ क्राइम भी तेजी से बढ़ रहा है। यह साइबर अपराधियों के लिए एक नया हथियार बन गया है। इसके जरिये किसी को भी आसानी से निशाना बनाकर ठगी की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। साइबर क्राइम करने वाले धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को अंजाम देने के लिए क्लोन की गई आवाज का उपयोग करते हैं। जैसे कि वे बैंकों, कंपनियों जैसी विश्वसनीय संस्थाओं के प्रतिनिधि , यहां तक कि पीड़ित के दोस्तों या परिजनों का रूप (आवाज) धारण कर व्यक्तिगत जानकारी या धन चुराने का प्रयास करते हुए कॉल करते हैं या ध्वनि मेल संदेश छोड़ते हैं। ताकि लोगों की भावनाओं पर प्रहार करते हुए घटनाओं को अंजाम दिया जा सके। ऐसे में यह समस्या काफी गंभीर रूप लेती नजर आ रही है।

गौरतलब है, मैकएफी की रिपोर्ट के मुताबिक, 69 फीसदी भारतीय वास्तविक मानव आवाज और एआई जनित आवाज के बीच अंतर करने में असमर्थ पाए गए। इसी कारण वॉयस क्लोनिंग के मामले लगातार सुर्खियों में आ रहे हैं। वहीं, द आर्टिफिशियल इम्पोस्टर की रिपोर्ट के मुताबिक, 47 फीसदी भारतीय या तो पीड़ित हैं या किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जो वॉयस क्लोनिंग ठगी का शिकार हैं। ज्यादातर लोग अनजान हैं।

बता दें कि वॉयस क्लोनिंग एक एआई तकनीक है जो हैकर्स को किसी की ऑडियो रिकॉर्डिंग लेने, उनकी आवाज पर एआई टूल को प्रशिक्षित करने और उसे फिर से बनाने की सुविधा देती है। इन दिनों वॉयस क्लोनिंग के लिए काफी सारे पेड और फ्री टूल्स या सॉफ्टवेयर हैं, जिनका इस्तेमाल कर आसानी से वॉयस क्लोनिंग की जा सकती है। एक बार जब आप वास्तविक वॉयस रिकॉर्डिंग का पर्याप्त बड़ा डेटा सेट इकट्ठा कर लेते हैं, तो वॉयस क्लोनिंग ऐप इस डेटा को संपादित या परिष्कृत करना शुरू कर देता है। डेटा को अलग-अलग ध्वनि तरंगों में बांटा गया है ताकि एआई इसे समझकर उस पर प्रतिक्रिया कर सके। एआई फिर इन ध्वनि तरंगों को उनके संबंधित स्वर, भाषा में ध्वनि की सबसे छोटी इकाई के साथ लेबल करता है।

ऐसे में, यह समझने की आवश्यकता है कि वॉयस क्लोनिंग के खतरे व्यक्तिगत या आर्थिक जोखिम तक सीमित नहीं हैं। इस एआई तकनीक का बढ़ता दुरुपयोग काफी नुकसानदेह हो सकता है। एआई विशेषज्ञों का मानना है कि नकली वीडियो और ऑडियो से गलत सूचना या फेक न्यूज की लहर पैदा होगी, जिससे दुनिया के कई देशों में अशांति फैल सकती है और लोकतांत्रिक चुनाव बाधित हो सकते हैं। क्योंकि चुनावों के समय नेताओं के भाषणों के इस्तेमाल से वॉयस क्लोनिंग की समस्या बड़े स्तर पर देखने को मिल सकती है। साइबर अपराधी विभिन्न स्रोतों से आवाज के नमूने एकत्र कर सकते हैं, जैसे सोशल मीडिया वीडियो, सार्वजनिक भाषण, यहां तक कि इंटरसेप्ट किए गए फोन कॉल। लिहाजा, आज एआई तकनीक के बढ़ते दुरुपयोग के बीच वॉयस क्लोनिंग की चुनौती से निपटने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञों ने वॉयस क्लोनिंग को पहचानने के लिए कुछ उपाय सुझाए हैं। यदि बात करते समय आपके पीछे से अलग तरह का शोर सुनाई पड़े तो इस पर तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। ऐसा तब होता है जब किसी भीड़भाड़ वाले कमरे में आवाज क्लोन की गई हो। हालांकि तकनीक के विकसित होने के साथ इन संकेतों को पहचानना मुश्किल हो जाएगा। इस तकनीक के प्रति जागरूकता ही आपको बचा सकती है। ऐसी कॉल जिसमें आपसे तुरंत पैसों की मांग की जा रही हो उसे गंभीरता से लें और कॉल करने वाले से ऐसे सवाल पूछें जिसका जवाब कोई वास्तविक व्यक्ति ही दे पाए। साथ ही, हमें डिजिटल फुटप्रिंट के प्रति भी सजग रहना आवश्यक है। इसके अलावा, ऑनलाइन अपलोड की जाने वाली चीजों पर विशेष सतर्कता बरतें। अनचाही कॉल या संदेश से सावधान रहें, विशेष रूप से अज्ञात नंबरों से या अति आवश्यकता का दावा करने वालों से सचेत रहने की जरूरत है। यह कहा जा सकता है कि हमारी जागरूकता ही हमें किसी बड़ी ठगी से बचा सकती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जिले में 3 मार्च को पिलायी जायेगी पल्स पोलियो वैक्सीन

रायगढ़। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान 03 मार्च से शुरू होगा। तीन दिवसीय यह अभियान में रायगढ़ जिले के शून्य से 05 साल तक के 1 लाख 34 हजार 297 बच्चों को पोलियो खुराक दी जायेगी। अभियान में पहले दिन 03 मार्च को बूथ स्तर पर एवं 04 तथा 05 मार्च 2024 को बूथ गतिविधियों में छूटे हुए बच्चों को टीकाकरण टीम के द्वारा घर-घर भ्रमण कर पोलियो की खुराक पिलाकर प्रतिरक्षित किया जायेगा। पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन हेतु स्वास्थ्य विभाग व्यापक रूप से तैयारियों में जूट गयी है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.बी.पी.पटेल ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान की समस्त तैयारियाँ पूर्ण कर ली गयी है, वैक्सीन एवं आई.ई.सी.सामग्री विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्रों में वितरित की जा चूकी है। अभियान के सफल संचालन हेतु समस्त विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्र के खण्ड चिकित्सा अधिकारी/प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिन को सुचारू रूप से कार्य संचालन हेतु प्रशिक्षित किया जा चुका है। जिले के पहुंच विहीन क्षेत्र, मेला बाजार, ईट भट्ठों, मलीन बस्तियों, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, साप्ताहिक बाजार एवं विभिन्न आद्यौगिक क्षेत्रों में पोलियों की खुराक पिलाने के लिए मोबाईल टीम का गठन किया गया है। रविवार 03 मार्च को सुबह कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ जिला एवं विकासखण्डों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किया जायेगा। रायगढ़ जिले में कुल 1308 बूथ, 19 ट्रांजिट टीम, 13 मेला बाजार स्थल एवं 25 मोबाईल दल, जिसमें कुल 2730 सदस्य एवं 283 पर्यवेक्षक उक्त अभियान में कार्य संपादन करेगें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रायगढ़ डॉ.आर.एन.मंडावी द्वारा सभी अभिभावकों से अपील है कि वे अपने 05 साल तक के सभी बच्चों को रविवार 03 मार्च 2024 को पल्स पोलियो बूथ पर लाकर पोलियों वैक्सीन की दो बूंद की खुराक अवश्य पिलायें।

क्रय एवं सेवाओं के कार्यों को नियमानुसार करें - कलेक्टर

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष में आयुष दीप समिति की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव भी उपस्थित रहें। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने जिले में संचालित संस्था एवं कार्यों की जानकारी ली। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ.मीरा भगत ने बताया कि जिले में संचालित आयुष विभाग अंतर्गत जिले में 85 संस्था संचालित है। जिसमें से 69 संस्था रायगढ़ में तथा 16 संस्था सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में संचालित है। उन्होंने विभाग में कार्यरत अधिकारी कर्मचारियों का सेटअप, स्वयं के भवनों में संचालित, आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में उन्नयन, आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किए गए कार्य, शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय रायगढ़ में पदस्थ चिकित्सकों-कर्मचारियों की जानकारी, आयुर्वेद जिला चिकित्सालय में वर्षवार रोगियों की संख्या, आयुष दीप समिति की आय एवं व्यय की जानकारी के साथ ही बैठक का पालन प्रतिवेदन की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने समिति के समक्ष शासकीय आयुर्वेद औषधालय में सामग्रियों के क्रय, शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय के कक्ष में मरम्मत एवं सफाई, रंगाई-पोताई के कार्योत्तर स्वीकृति की प्रस्ताव रखी। जिस पर कलेक्टर गोयल ने अनुमति प्रदान करते हुए क्रय एवं सेवाओं से संबंधित सभी कार्यों को भंडार क्रय नियम के तहत किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहलः बेलतरा क्षेत्र के 12 गांवों को अब मिलेगा सिंचाई का पानी

खारंग जलाशय के समीप के 12 गांवों को पानी देने बजट में लिफ्ट एरिगेशन का प्रावधान

सिंचाई सुविधा की वर्षों पुरानी मांग होगी पूरी, 2500 एकड़ में किसानों को मिलेगी सिंचाई की सुविधा...

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर जिले के बेलतरा क्षेत्र के 12 गांवों की खेती-किसानी अब बिलकुल बदल जाएगी, यह पूरा क्षेत्र लहलहा उठेगा। यहां खेतों में सिंचाई लिफ्ट इरीग्रेशन सिस्टम से की जाएगी। इस सिस्टम से खारंग जलाशय से 2500 एकड़ में सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के पहले बजट में बेलतरा क्षेत्र के खारंग जलाशय के नजदीक के 12 गांवों को लिफ्ट एरिगेशन योजना के जरिए सिंचाई का पानी देने के लिए किए गए बजट प्रावधान से इन ग्रामीणों में वर्षों पुरानी अपनी मांग के पूरा होने का विश्वास जगा है।

इन उत्साहित ग्रामीणों ने राजधानी रायपुर में विधानसभा पहुंचकर आज बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के नेतृत्व में मुख्यमंत्री साय से मुलाकात की और बजट प्रावधान करने के लिए उनके प्रति आभार प्रकट किया। गौरतलब है कि बेलतरा क्षेत्र के नेवसा, गिधौरी, कर्रा, जाली, टेकर, गढ़वट, अकलतरी, बाम्हू, बेलतरा, कड़री, सलखा, लिम्हा (लिम्हा जलाशय) खारंग जलाशय के नजदीक हैं, वर्षों से यहां के किसान खेतों में पानी पहुंचाने की मांग करते रहे, लेकिन इन्हें सिंचाई की सुविधा नहीं मिली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बजट में प्रावधान करने के बाद इन गांवों में पानी पहुंचाने के लिए नेवसा उद्वहन सिंचाई योजना का निर्माण किया जाएगा इससे इन गांवों की 2500 एकड़ जमीन की सिंचाई हो सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि उद्वहन सिंचाई योजना में लगभग 45 करोड़ रूपए की लागत आयेगी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप, विधायक अजय चन्द्रकार, श्री भैइयालाल राजवाड़े, गोमती साय, अनुज शर्मा, गजेन्द्र यादव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इन ग्रामीणों का स्वागत करते हुए कहा कि आपके आशीर्वाद से नई सरकार बनी है। यह किसानों की हितैषी सरकार है। हमारा देश कृषि प्रधान है। अधिकांश लोग खेती से जुड़े हैं। सिंचाई सुविधा मिलने से आप लोग और बेहतर तरीके से खेती कर सकेंगे। राज्य सरकार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी कर रही है, 3100 रूपए प्रति क्विंटल दाम भी देंगे। अभी किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान किया गया है। अंतर की राशि भी एकमुश्त जल्द ही दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की सरकार में किसान क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ हुई। किसानों को बिना किसी ब्याज पर ऋण की सुविधा मिली। पहले महाजनों से कर्ज लेना पड़ता था और मूलधन का डेढ़ गुना चुकाना पड़ता था।

किसान क्रेडिट कार्ड से किसानों को सुविधा हुई। फसल बीमा योजना का सरलीकरण भी उन्हीं के कार्यकाल में हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों की आय दोगुना करने के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई है। कृषि मंत्रालय का नाम बदलकर कृषक कल्याण मंत्रालय कर दिया गया है। आधुनिक खेती की जानकारी देने के लिए किसान चैनल प्रारंभ किया गया है। पीएम सिंचाई योजना शुरू की गई। पशुपालन एवं मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप ने ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों की वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। 12 गांवों को सिंचाई सुविधा मिलने से दो फसल ले सकेंगे। किसानों की आय बढ़ेगी।

लेजर लाइट और सतरंगी रंगों से जगमगा रहा राजिम कुंभ कल्प

प्रभु श्रीराम से जुड़ी लघु फिल्म का थ्रीडी में हो रहा प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजिम। छत्तीसगढ़ शासन के धर्मस्व, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के नेतृत्व में राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव की थीम पर सजाया गया है। साथ ही विभिन्न धार्मिक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मेला स्थल के नदी तट पर लेज़र लाइट प्रदर्शन के लिए भी संरचना बनायी गयी है। जिसमें लेजर लाइट के माध्यम से विभिन्न आकृतियां प्रदर्शित की जा रही है।

मेला स्थल में लगे बड़े स्क्रीन में भगवान श्रीराम से जुड़ी थ्रीडी प्रेजेंटेशन वाली शॉर्ट फिल्म दिखाई जा रही है। इसमें भगवान श्री राम के जीवन चरित्र और आदर्शों को दिखाया जा रहा है। जिसे देखकर मेला आगंतुक भक्ति में भाव विभोर हो रहे है।

राजिम कुंभ में शॉर्ट वीडियो के माध्यम से छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न योजनाओं को भी प्रदर्शित किया जा रहा है। जिसमें महत्वपूर्ण योजना महतारी वंदन योजना के बारे में वीडियो के माध्यम से जानकारी दी जा रही है। विवाहित महिलाओं सहित पेंशन प्राप्त करने वाली परित्यकता और विधवा महिला को भी इस योजना में शामिल किया गया है। साथ ही राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। इसके माध्यम से मेला आगंतुक छत्तीसगढ़ शासन की योजना का पूरा-पूरा लाभ उठाने के लिए जागरूक हो रहे है। इसी तरह मामा-भांजा मंदिर से लेकर लोमष ऋषि आश्रम तक लक्ष्मण झूला को रंग-बिरंगे लाईट्स के माध्यम से सजाया गया है, जिससे मेला आने वाले श्रद्धालु आकर्षित हो रहे है।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल की माता जी के निधन की सूचना प्राप्त होने पर समूचे कुंभ कल्प क्षेत्र में सन्नाटा छा गया। मुख्य मंच पर हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम को तत्काल रोककर उपस्थित जनप्रतिनिधि, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के बहनों, अधिकारी-कर्मचारी एवं जनसमुदाय, कलाकरों एवं आयोजकों द्वारा दु:ख व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मृतात्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवारजनों को इस दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की।

राजिम कुंभ कल्प-2024 के चौथे दिन मुख्य मंच पर कर्मा, ददरिया, देवार गीतों की शानदार प्रस्तुति हुई। हमर छत्तीसगढ़ लोक कलामंच के रोशन साहू ने ददरिया, करमा, देवार गीतों के माध्यम से समा बांधा।

सुश्री भावना टांक ने शास्त्री गायन के माध्यम से राम भगवान की महिमा को जनता तक पहुंचाने की कोशिश की। सुश्री गोपा सान्याल के द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई। जिसमें गणेश वंदना के साथ प्रभु श्रीराम का स्मरण करते हुए मंच सहित विशाल दर्शक दीर्घा को भी भक्तिमय माहौल बना दिया।

अधिकारी किसी भी आवेदन का निरस्त होने का कारण आवेदक को बताएं - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले के कार्यों का समय सीमा की बैठक लिया। बैठक में कलेक्टर साहू ने सर्वप्रथम जिले के अधिकारियों से परिचय लिया। श्री साहू ने ऐसे अधिकारियों, जो जिले के प्रभार पर हैं या मातृ जिला रायगढ़ या बलौदाबाजार भाटापारा दोनों के प्रभारी हैं, को पुन: परिचय और विभागीय सेटअप के संबंध में जानकारी लिया।

कलेक्टर ने जिले के सभी विभागों के राज्य स्तर में स्थिति, विभागीय कार्यों और उनके प्रगति रिपोर्ट के बारे में विस्तार से जानकारी लिया। श्री साहू ने सभी अधिकारियों को कहा कि किसी भी प्रकार के प्राप्त आवेदन या शिकायत निरस्त करने के पूर्व उस आवेदक को निरस्त करने की सूचना और निरस्त करने के कारण, नियम आदि का उल्लेख करें साथ ही उसका निराकरण कैसे होगा, उसकी भी जानकारी उपलब्ध कराएं। श्री साहू ने सीएमएचओ डॉ. एफआर.निराला से स्वास्थ्य विभाग के बारे में जानकारी लिया। कलेक्टर श्री साहू ने सभी राजस्व अधिकारियों को सरकारी भूमि का शीघ्र सीमांकन करने के लिए निर्देशित किया।

कलेक्टर साहू ने जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी बृजेन्द्र ठाकुर से महतारी वंदन योजना से प्राप्त रिपोर्ट के संबंध में जानकारी लिया। कलेक्टर साहू ने सभी राजस्व अधिकारियों को कहा कि वे अपने से संबंधित पटवारियों से ऑनलाइन रिकार्ड और पटवारी के दस्तावेज (फिजिकल) दोनों का मिलान करके रिपोर्ट दें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी, एसडीएम वासु जैन, डॉ. स्निग्धा तिवारी, डिप्टी कलेक्टर बी.एक्का सहित जिले के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला रोजगार अधिकारी के जानकारी दिया कि अग्निवीरों की भर्ती की जा रही है, जिसका ऑनलाइन फॉर्म भारतीय सेना की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

भारत सरकार ने तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य की सराहना की, कहा- उल्लास कार्यक्रम में दिखाई दे रहा है अच्छा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की संयुक्त सचिव और राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की महानिदेशक श्रीमती अर्चना शर्मा अवस्थी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता के क्षेत्र में बेहतर कार्य करते आया है। उम्मीद है कि उल्लास कार्यक्रम में भी छत्तीसगढ़ में उत्साह व उल्लासपूर्वक कार्य करेंगा।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम 'इच वन टीच वन' पर आधारित है। छत्तीसगढ़ में स्वयंसेवी शिक्षकों की एक बड़ी संख्या है, जो इस कार्यक्रम की सफलता का सकारात्मक पक्ष है। निश्चित तौर पर छत्तीसगढ़ वर्ष 2027 तक प्रदेश को पूर्ण साक्षर करने में सफल होगा। श्रीमती शर्मा आज एससीईआरटी और राज्य साक्षरता

मिशन प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत अनुशंसित उल्लास कार्यक्रम के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण के समापन सत्र को वर्चुअल सम्बोधित कर रही थी।

प्रशिक्षण का समापन राजेन्द्र कुमार कटारा संचालक एससीईआरटी व एसएलएमए की अध्यक्षता, अतिरिक्त संचालक एससीईआरटी श्री जे.पी. रथ एवं प्रभारी सीएनसीएल, एनसीईआरटी प्रो. उषा शर्मा की उपस्थिति में हुआ।

अर्चना शर्मा अवस्थी ने कहा कि उल्लास कार्यक्रम में महिला शिक्षार्थियों की संख्या ज्यादा है। उन तक पहुँचने के लिए मनरेगा कार्य स्थल और आंगनबाड़ी केन्द्र की हितग्राही महिलाएं हमारे लिए सुगम लक्ष्य हो सकता है। इनको लक्षित करते हुए स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से साक्षर किया जा सकता है। कार्यक्रम की सफलता के लिए स्वयंसेवी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है। यही हमारे कार्यक्रम के सफलता की कुंजी होगी।

एससीईआरटी व एसएलएमए के संचालक राजेन्द्र कुमार कटारा ने कहा कि कालेजों, स्कूलों के बच्चों को स्वप्रेरणा से उल्लास कार्यक्रम के स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में जोड़ने का प्रयास करें। बेहतर हो कि डीएड और बीएड कालेजों के छात्र-अध्यापकों को प्रोजेक्ट कार्य के रूप में 10 असाक्षरों को साक्षर बनाने का कार्य दिया जाए। उन्होंने कहा कि हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि चिन्हांकित शिक्षार्थी जब उल्लास केंद्र तक आए तो उनको सीखने के लिए प्रेरित करने का प्रयास करें और लेखन संबंधी अभ्यास कराया जाए। श्री कटारा के द्वारा प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की गई और कार्यक्रम के जमीनी स्तर पर सफल क्रियान्वयन हेतु सुझाव लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला को अतिरिक्त संचालक जे.पी. रथ व उल्लास कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रशांत कुमार पाण्डेय ने भी संबोधित किया। एससीएल के प्रकोष्ठ प्रभारी डेकेश्वर प्रसाद वर्मा, प्रशिक्षक अमन गुप्ता, सुश्री भावना खेड़ा सहित प्रदेश के जिलो के परियोजना अधिकारी, नोडल अधिकारी, डाइट के प्रकोष्ठ प्रभारी एवं रिसोर्स पर्सन उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मूल पदस्थापना स्कूलों के लिए शिक्षकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश

संलग्नीकरण समाप्ति का प्रमाण पत्र संचालक लोक शिक्षण को सात दिवस के भीतर भेजना होगा

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से गैर शैक्षणिक कार्यो में संलग्न शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना स्कूल हेतु कार्यमुक्त किए जाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालक लोक शिक्षण, सभी संभागायुक्त, जिला कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों से कहा गया है कि शासन के निर्देशानुसार गैर शिक्षकीय कार्यो में संलग्न सभी शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल समाप्त कर, उन्हें उनके मूल पदस्थापना शाला में अध्यापन कार्य हेतु कार्य मुक्त किया जाए। संलग्नीकरण समाप्त किए जाने संबंधी प्रमाण पत्र सात दिवस के भीतर संचालक लोक शिक्षण को अनिवार्यत: प्रेषित करें। इस निर्देश का कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करें। जारी निर्देश में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य शासन को बहुधा यह शिकायत प्राप्त होती है कि स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्ग के कर्मचारी गैर शिक्षकीय कार्य हेतु विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थाओं में संलग्न है, गैर शिक्षकीय संलग्नीकरण से शिक्षण कार्य प्रभावित होता है।

उल्लेखनीय है कि स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इस संबंध में स्कूल शिक्षा सचिव को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा था कि संभागायुक्त एवं जिला कलेक्टरों को निर्देशित करना सुनिश्चित करें। स्कूल शिक्षा मंत्री अग्रवाल को स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक संवर्ग के कर्मचारी गैर शिक्षकीय कार्य हेतु विभिन्न कार्यालयों एवं संस्थाओं में संलग्न हैं और गैर शैक्षणिक संलग्नीकरण से शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है, इस आशय की शिकायत प्राप्त हो रही थी। स्कूल शिक्षा मंत्री से शिकायकर्ताओं ने स्कूल में शैक्षणिक व्यवस्था के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया था।

राज्य में 119 लाख 45 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव

रायपुर। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में किसानों से 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदी की जा चुकी है। कस्टम मिलिंग के लिए निरंतर धान का उठाव जारी है। मार्कफेड के महाप्रबंधक से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 126 लाख 66 हजार 01 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध मिलर्स द्वारा 119 लाख 45 हजार 595 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

राजिम कुंभ कल्प में 3 मार्च से शुरू होगा विराट संत समागम

■ **संतों का आगमन हुआ शुरू**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माघ पूर्णिमा से प्रारंभ हुए राजिम कुंभ कल्प मेला की भव्यता दिनों दिन बढ़ रही है। राजिम कुंभ का आयोजन माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि तक होता है। इसमें विराट संत-समागम का प्रारंभ रविवार 3 मार्च से होगा। धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर राजिम मेला के संत समागम स्थल पर साधु-संतों, महामंडलेश्वरों, आचार्य महात्माओं के लिए विशाल डोम, स्विस कॉटेज, कुटिया तथा यज्ञ शाला का निर्माण किया गया है, जिसमें संत महात्माओं द्वारा विभिन्न प्रकार के यज्ञ अनुष्ठान को पूरी वैदिक रीतियों के साथ सम्पन्न कराया जाएगा। संत समागम के विशाल मंच से संतों के प्रवचन आशीष वचन के रूप में श्रद्धालुओं को सुनने का पुण्य प्राप्त होगा।

संत-समागम स्थल में प्रतिदिन होने वाले यज्ञ हवन के लिए विशाल यज्ञ शाला का निर्माण भी किया गया है। जहां राजिम कुंभ कल्प में पधारे संतों द्वारा नित्य प्रति वैदिक मंत्रोच्चारण से हवन किया जायेगा। रोजाना मुख्य मंच से शाम को संतो के उद्बोधन, धर्म संसद में चर्चा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के समुचित बैठक व्यवस्था भी की गई है। भगवान श्रीराम को समर्पित यह कुंभ कल्प श्री राम के प्रति आस्था और श्रद्धा का द्योतक है। इस लिहाज से माना जा सकता है कि संत समागम भी राममय होकर प्रभु श्रीराम की भक्ति में सराबोर होने का अवसर श्रद्धालुओं को मिलेगा।

देशभर से पहुंचेंगे साधु-संतों की टोली

इस बार राजिम कुंभ में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद महाराज, अविमुक्तेश्वरानंद महाराज, सदानंद महाराज, पंडित प्रदीप मिश्रा, साध्वी ऋतंभरा दीदी, महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती, डॉ. शिव स्वरूपानंद, रामकृष्णानंद, यतींद्रानंद, डॉ. रामेश्वर, पंडोखर सरकार जैसे बड़े-बड़े धर्म दिग्गज शामिल होंगे। गौरतलब है कि संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने इन धर्म गुरुओं को कुंभ में शामिल होने का न्योता भेजा है। जिस पर महात्माओं ने आने का आश्वान दिया है। धर्मगुरुओं के अलावा हरिद्वार, प्रयागराज, काशी, बनारस, मथुरा, वृंदावन, अयोध्या, अमरकंटक, चित्रकूट, उत्तराखंड से बड़ी संख्या में साधु-संतों की टोली राजिम कुंभ कल्प मेला में पहुंचेगी।

राजिम कुंभ कल्प में संतों का हुआ आगमन प्रारंभ

राजिम कुंभ कल्प में 3 मार्च से शुरू होने वाली संत समागम के आयोजन में भाग लेने के लिए संतों का राजिम पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है। इन महात्माओं को यथा-स्थान निर्धारित जगह पर ठहराया जा रहा है। ज्ञात हो कि संत समागम में भाग लेने आने वाले संत महात्माओं के ठहरने का राज्य शासन द्वारा उचित प्रबंध किया गया है। अभी तक विभिन्न संप्रदाओं और अखाड़ों के संतो का आना शुरू हो गया है। जिनमें जनकपुरी महाराज, भोलागिरि महाराज, शीतल गिरि महाराज, नागा साधु के अलावा अन्य संत भी पहुंच चुके है। इसके साथ ही भोजन, पेयजल और शौचालय की सुविधा उपलब्ध करायी गई है।

त्रिवेणी संगम के बीच स्थित है भगवान कुलेश्वरनाथ महादेव का मंदिर

■ **आज भी प्रासंगिक हैं राजिम का लोमष ऋषि आश्रम**

■ **राजिम क्षेत्र में रेत से शिवलिंग बनाकर माता सीता ने की थी पूजा अर्चना**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के प्रयाग कहे जाने वाले पावन नगरी राजिम में भगवान वास करते हैं। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण भगवान श्री राजीव लोचन और श्री कुलेश्वर महादेव है, जिसके आशीर्वाद से हर वर्ष राजिम मेला बिना किसी रूकावट के संपन्न होता है। इसके साथ ही प्रयाग क्षेत्र में स्थित लोमष ऋषि आश्रम है। लोमष ऋषि आश्रम के संदर्भ में कई किवदंतियाँ है।

मान्यता है कि आज भी लोमष ऋषि सबसे पहले भगवान राजीव लोचन भगवान की पूजा अर्चना करते हैं। इसके कुछ साक्ष्य

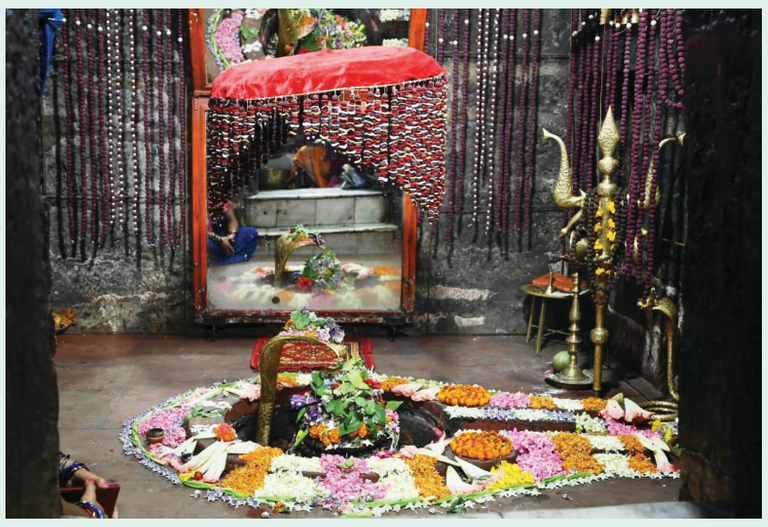

यहां के पुजारियों को परिलक्षित हुए। कहा जाता है कि भगवान श्री राम वन गमन के दौरान कुछ दिनों तक राजिम स्थित लोमष ऋषि के आश्रम में ठहरे थे और यहीं पर चित्रोत्पला गंगा महानदी की रेत में शिवलिंग बनाकर पूजा-आराधना की थीं। जिन्हें वर्तमान में कुलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है।

राजिम के कुछ बुजुर्गो ने यहां तक दावा किया है कि सुबह नदी में कभी भी अचानक लंबे पैरो के निशान दिखाई देते हैं जो संभवत: लोमष ऋषि के ही हो सकते हैं। आज भी राजिम में लोमष ऋषि का आश्रम विद्यमान है। यहां उनकी एक आदमकद प्रतिमा स्थापित हैं जिनकी नित्य पूजा अर्चना किया जाता है। यहां पर बेल के अत्यधिक पेड़ होने के कारण इसे बेलाही घाट भी कहा जाता हैं। प्राकृतिक दृष्टि से भी यह बहुत मनोहारी है यहां आने से एक प्रकार से शांति का अनुभव होता है। राजिम कुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था, श्रद्धा और आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। यह आकर श्रद्धालु घंटो समय व्यतीत करता है और अपनी थकान मिटाकर अपनी गणतव्य की आगे बढ़ते हैं।

मान्यता है कि वनवास काल के दौरान भगवान श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता राजिम में स्थित लोमष ऋषि के आश्रम में कुछ दिन व्यतीत थे। उसी दौरान माता सीता ने नदी की रेत से भगवान भोलेनाथ का शिवलिंग बनाकर उनकी पूजा अर्चना की थी। तभी से इस शिवलिंग को कुलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। इस खुरदुरे शिवलिंग को माता सीता ने अपने हाथों से बनाया था, खुरदुरे निशानों को सीता जी के हस्त कमल के निशानों की संज्ञा दी जाती है।

भगवान श्री कुलेश्वरनाथ को लेकर मान्यता है कि बरसात के दिनों में कितनी भी बाढ़ आ जाए। यह मंदिर डूबता नहीं है। कहा जाता है बाढ़ से घिर जाने के बाद नदी के दूसरे किनारे पर बने मामा-भांचा मंदिर को गुहार लगाते हैं कि मामा मैं डूब रहा हूं मुझे बचा लो। तब बाढ़ का पानी कुलेश्वरनाथ महादेव के चरण पखारने के बाद बाढ़ का स्तर स्वत: ही कम होने लगाता है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना: निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह का सपना हो रहा पूरा

■ **वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 185 जोड़े बँधे दाम्पत्य सूत्र में**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह का सपना पूरा हो रहा है। योजना के तहत बालोद जिले में मंगलवार को 185 जोड़े दाम्पत्य सूत्र में बंधे। महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा टाऊन हॉल में 16 जोडें, वार्ड क्रमांक 13 गुण्डरदेही में 55 जोड़े और डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम कुसुमकसा में 74 जोड़े तथा ग्राम सुरसुली के नर्मदा धाम में 42 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा वर-वधुओं को जीवनोपयोगी विभिन्न सामग्रियों सहित सुखमय जीवन की मंगलकामना के साथ 21 हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, वर-वधु के परिवारजन सहित शासकीय अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिए विशेष प्रयास है। इससे विवाह के दिनों-दिन बढ़ते खर्च से अभिभावकों को राहत मिल रही है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के लिए 38 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस साल 7600 कन्याओं के विवाह का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रति जोड़ा सहायता राशि 50 हजार रुपए दी जाती है। योजना के तहत 21 हजार रूपये तक की आर्थिक सहायता सामग्री के रूप में, 21 हजार रुपये का बैंक ड्राफ्ट तथा सामूहिक विवाह आयोजन व्यवस्था पर अधिकतम 8 हजार रूपये तक व्यय किया जाता है।

अमृत काल में हमारा देश और हमारा राज्य विकास की नई ऊंचाईयां छुएगा: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

■ **छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का समापन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के समापन के अवसर पर कहा कि यह अमृत काल है इस अमृत काल में हमारा देश और हमारा राज्य विकास की नई ऊंचाईयां छुएगा। हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ के नागरिकों को दी गई गारंटी को प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर रही है। आगामी 5 वर्षों में उनकी हर गारंटी को पूरा करने के लिए हमारी सरकार वचनबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर बजट सत्र के सफल संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, मंत्रियों, सहित पक्ष-विपक्ष के सभी विधायकों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य ठीक न होने के बावजूद आपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनके मार्गदर्शन में इस सत्र का संचालन सफलतापूर्वक हुआ। उन्होंने सदन

के संचालन में नेता प्रतिपक्ष द्वारा दिए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। संसदीय कार्य मंत्री बृजमोहन अग्रवाल को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने अनुभवों से सत्र को नया आयाम दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मंत्रिमंडल के सभी साथी अपने-अपने विभागों के माध्यम से आम नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लेकर आए। सत्र के संचालन में विधानसभा के अधिकारी-कर्मचारियों सहित सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों ने कर्मठता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाह किया। सुरक्षाकर्मियों ने अपना दायित्व बखूबी निभाया। उन्होंने विधानसभा में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को तत्परतापूर्वक नागरिकों तक पहुंचाने के लिए मीडिया के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

श्री साय ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में सुशासन स्थापित करने का संकल्प लिया है, इस दिशा में हमने काम भी शुरू कर दिया है। इस सत्र की विशेष बात यह रही कि कई बार ऐसा लगा कि सत्ता पक्ष पर ही विपक्ष की भूमिका निभाने का दायित्व आ पड़ा था। सदन में पहली बार चुनकर आए विधायकों का प्रदर्शन भी बहुत शानदार रहा, मैं उन सभी को बधाई देता हूं। हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की नीति पर चलते हुए राज्य का विकास करेगी। हमारी सरकार सुनिश्चित करेगी कि छत्तीसगढ़ सरकार और भारत सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे और हम अंत्योदय के लक्ष्य को हासिल करें। आदिवासी वनवासियों, किसानों, युवाओं और महिलाओं तक उनके अधिकारों की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

देर तक सोने वाले हो जाएं सावधान! सुधार लें आदत वरना भुगतना पड़ेगा अंजाम

हमारे बड़े-बुजुर्ग ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय से पहले सोकर उठ जाने की सलाह देते हैं। आजकल की लाइफस्टाइल और दिनभर की भागदौड़ के बाद ऐसा कर पाना बहुत से लोगों के लिए आसान नहीं है। लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है। बहुत से लोग देर रात में सोते हैं और सुबह देर तक सोते ही रहते हैं। ऐसा करने वाले बड़े-बुजुर्गों की सुबह जल्दी उठने वाली सलाह मान लें, वरना उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं झेलनी पड़ सकती है। देर तक सोने से कई बीमारियां आपके शरीर को शिकार बना सकती हैं। इसके 5 नुकसान बेहद खतरनाक हैं।

देर तक सोने के 5 गंभीर नुकसान

बिगड़ जाएगी मेंटल हेल्थ:- सुबह देर तक सोने वालों की मेंटल हेल्थ बुरी तरह प्रभावित हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसा करने वालों में चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और मूड स्विंग जैसी समस्याएं बढ़ सकती है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

पाचन से जुड़ी समस्याएं:- सुबह देर तक सोते रहने से पाचन तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इससे बाउल धीमी गति से काम करता है। जिससे कॉन्स्टिपेशन की प्रॉब्लम्स हो सकती है। इसके अलावा पाइल्स की समस्या भी देर से उठने वालों को हो सकती है।

दिल हो जाएगा बीमार:- सुबह देर तक सोने वालों को सही तरह धूप नहीं मिल पाती है और शरीर का हार्मोन्स अपना संतुलन खोने लगता है। जिससे ब्लड प्रेशर लेवल और कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी बढ़ सकता है। इससे हार्ट से जुड़ी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं।

मोटापा:- ऐसे लोग जिन्हें देर से सोकर उठने की आदत है, उनकी मेटाबॉलिक रेट काफी कम होती है। इसकी वजह से कुछ भी खाने के बाद कैलोरी बर्न करने में परेशानी आती है। जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है और इसकी वजह से मोटाबा बढ़ सकता है।

डायबिटीज:- देर तक सोकर उठने वालों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या देखी जाती है, जिसकी वजह से डायबिटीज उन्हें अपना शिकार बना सकता है। जब कोई देर से सोकर उठता है तो उसका शुगर लेवल काफी कम हो सकता है। इससे भूख से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। आहार में असंतुलन डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकता है।

कियारा आडवाणी डॉन 3 में लगाएंगी एक्शन का तड़का, रणवीर सिंह के साथ जमेगी जोड़ी

डॉन 3 के निर्माता, रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने कल एक बड़ी घोषणा की तरफ इशारा करते हुए दर्शकों को बड़ा सरप्राइज दिया है, जी हां दर्शकों के बीच उत्साह की लहर देखने मिल रही है। डॉन 3 की लीड एक्ट्रेस और कोई नहीं बल्कि कियारा आडवाणी हैं। इसका ऐलान एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से किया है। कियारा आडवाणी, जो अपनी अदाएं और प्रभावशाली एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, अब वह डॉन की दुनिया में एक्शन का तड़का लगाने वाली हैं।

इस उत्साह को और भी बढ़ाते हुए फैंस कियारा और रणवीर सिंह के बीच की केमिस्ट्री और ऑन स्क्रीन प्रेजेंस को साथ में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। बता दें कि दोनो स्टार्स अपने क्राफ्ट में बेहतरीन हैं और ऑन स्क्रीन अपनी चमक बिखेरने के लिए मशहूर हैं। ऐसे में अब जब दोनो पहली बार साथ आए हैं, यह कहा जा सकता है कि यह फ्रेश जोड़ी कभी न मिटने वाली छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, डॉन 3 एक और एड्रेनालिन से भरपूर इंस्टॉलमेंट का वादा करती है। साथ ही यह फिल्म एक शानदार सिनेमाई सफर के लिए प्लेटफॉर्म सेट करती है। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी को एक्सेप्शनल प्रोजेक्ट रेकॉर्ड के लिए जाना जाता है। ऐसे में वे इस आइकॉनिक फ्रेचाइजी के लिए एक शानदार सिनेमाई अनुभव देना का वादा करते हैं।

आयशा खान फिल्म लकी भास्कर में हुई शामिल दलकीर सलमान के अपोजिट आएंगी नजर

रियलिटी शो बिग बॉस के नवीनतम सीजन में धमाल मचाने वाली अभिनेत्री आयशा खान मलयालम स्टार दुलकर सलमान के साथ उनकी आगामी फिल्म लकी बस्कर में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म, जो तेलुगु सिनेमा से संबंधित है, को एक मनोरंजक फिल्म के रूप में देखा जाता है, और हाल ही में इसका पहला लुक इंस्टाग्राम पर जारी किया गया था।

नए विकास के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, मुझे अपने दक्षिण-भारतीय प्रशंसकों से जो प्यार मिलता है वह जबरदस्त है और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। मैं हमेशा खुद को बेहतर करने के लिए प्रेरित करना चाहता था और इस प्रक्रिया में दुलकर सलमान से बेहतर कौन हो सकता है। दुलकर ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी कला की मैंने हमेशा प्रशंसा की है। उन्होंने आगे कहा, मैं फिल्म में अपनी विशेष भूमिका के लिए बहुत उत्साहित हूं। वेंकी सर के निर्देशन में प्रदर्शन करना और इतनी अच्छी टीम का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

एरिका फर्नांडिस ने दरिया किनारे लगाई आग, टीवी एक्ट्रेस ने फ्लोरल बिकनी में शेयर की हॉट तस्वीरें

एक्ट्रेस एरिका फर्नांडिस बोल्डनेस के मामले में बॉलीवुड की हसीनाओं को मात देती हैं। एरिका छोटे पर्दे की हॉट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हमारी इस बात से उनके फैंस भी सहमत होंगे। सोशल मीडिया पर आए दिन उनकी तस्वीरें तहलका मचा देती हैं। टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा एरिका फर्नांडिस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद धमाकेदार तस्वीरें शेयर की हैं।

एरिका फर्नांडिस ने फ्लोरल बिकनी पहनी है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और समंदर किनारे सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई कर रही हैं। वह बिकिनी पहन कातिलाना अदाओं से पानी में आग लगाती दिख रही हैं। उनका किलर फिगर देख आपकी सांसे थम जाएंगी। एरिका की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एरिका फर्नांडिस ने कई टेलीविजन शोज में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है।उनकी इस बोल्ड तस्वीरों के साथ वायरल होने से यह स्पष्ट हो रहा है कि वे अपनी फैंस को हमेशा अपडेट करती रहती हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

यूनिसेफ एवं एनएसएस वालिंटियर ने कुपोषण मुक्त पंचायत और प्लास्टिक मुक्त जिला का दिया संदेश

गरियाबंद। राजिम कुंभ कल्प 2024 मेला स्थल में यूनिसेफ एवं एनएसएस वालंटियर के द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 27 से 29 फरवरी तक चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत वॉलंटियर द्वारा कुपोषण मुक्त पंचायत एवं प्लास्टिक मुक्त गरियाबंद जिला का संदेश दिया जा रहा है। स्वयंसेवकों द्वारा आओ मिलकर कुपोषण दूर भगाएं, प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ के नारे से लोगो को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही शिशु संरक्षण माह के तहत शिशु के देखभाल और टीकाकरण के महत्व को भी बताया जा रहा है। इसी थीम पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने, गर्भवती महिलाओं के लिए आयरन की दवाई, गरम भोजन , एएनसी जांच के महत्व का प्रचार प्रसार करना है। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम की भूमिका के बारे में भी विस्तार से जानकारी दिया जा रहा है। इसी तारतम्य में मंगलवार को मेला स्थल में श्री राजीव लोचन मंदिर से लेकर कुलेश्वर मंदिर तक रैली निकालकर लोगो को प्रेरित किया गया। रैली में शासकीय महाविद्यालय छुरा के 26 वॉलंटियर एवं स्टाफ तथा यूनिसेफ जिला सलाहकार चित्रा साहू, सीजीडबल्यूटीपी फाउंडेशन से रमेश कसा, प्रोग्राम मैनेजर एवं टीम उपस्थित रहे। सभी वॉलंटियर को एएसपी डीसी पटेल एवं डीएसपी सुश्री निशा सिन्हा द्वारा सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

दिव्यांग देवलाल के चेहरे पर लौटी मुस्कान

रायपुर। निदान कार्यक्रम से कई दिव्यांगों को फायदा हुआ और उनकी मुस्कान फिर लौट आई है। धमतरी जिले में निदान कार्यक्रम के तहत शिविर लगाकर दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, कैलीपर्स, श्रवण यंत्र, ट्रायसायकिल प्रदान किया गया। इससे कई दिव्यांगों को फायदा मिला है। मगरलोड विकासखंड के ग्राम भेण्ड्री निवासी दिव्यांग देवलाल साहू ने बताया कि शिविर में लगाया गया नकली पैर बहुत ही सुविधाजनक है, इसे पहनने में कोई दिक्कत नहीं होती है। निदान ने उन्हें चलने-फिरने में सक्षम बना दिया है। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए ऐसे सार्थक निदान कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को धन्यवाद दिया है। देवलाल ने बताया कि चार साल पहले वे अपने रिश्तेदार की शादी में बारात गये हुए थे, तब एक बस ने रिवर्स होते हुए उनके दायें पैर में टक्कर मार दी, जिसके कारण उनके घुटने की हड्डी पूरी तरह टूट गयी, और उनका पैर काटना पड़ा।

सभी पंजीकृत किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ दिलवाएं - कलेक्टर

महासमुंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने अपराह्न समय सीमा की बैठक लिए। बैठक में उन्हांने पीएम किसान सम्मान योजना अंतर्गत समर्थन मूल्य में बेचे गए समस्त पंजीकृत किसानों को अनिवार्य पंजीयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने धान बेचा है, उन्हें पीएम किसान सम्मान निधि से अनिवार्यत: जोड़े और उनका ईकेवाईसी भी पूर्ण करें। इसके लिए कृषि विभाग को निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति और वन पट्टाधिकार प्राप्त किसानों को भी इस योजना से जोड़े। कलेक्टर ने राशन कार्ड नवीनीकरण के संबंध में शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा जारी एप्प के माध्यम से पंजीयन करे तथा रोजगार सहायकों का विशेष सहयोग लें।

हिड़मा के गांव के लोगों को मुख्यमंत्री ने दिखाया लोकतंत्र का मंदिर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा नियद नेल्लानार के माध्यम से विकास की रौशनी में जगमगायेगा आपका गांव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टाप नक्सली कमांडर हिड़मा के गांव पूवर्ती के लोगों ने जिनकी आवाज अब तक नक्सली बंदूकों के साये में चुप करा दी जाती थी, उन्होंने पहली बार विधानसभा में जनता की आवाज को जनता के प्रतिनिधियों के माध्यम से लोकतंत्र के मंदिर में गूंजते सुना। सुकमा जिले के पुवर्ती के साथ ही टेकलगुडेम और सिलेगर के ग्रामीणों ने विधानसभा में देखा कि किस तरह लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष मुद्दों पर सहमति-असमहति के बावजूद चर्चा कर अंतिम निष्कर्ष पर पहुंचते हैं और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हैं।

वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के आमंत्रण पर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री से देर तक अपने गांव के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल आतंकवाद की वजह से बरसों आपके इलाकों में विकास प्रभावित रहा। बस्तर के विकास के बगैर और आप लोगों तक विकास पहुंचाये बगैर छत्तीसगढ़ का विकास संभव नहीं। हमने इसके लिए नियद नेल्लानार योजना आरंभ की है। न केवल हम आप लोगों को सुरक्षा प्रदान करने वहां नये कैंप लगा रहे हैं अपितु कैंप के 5 किमी के दायरे में इस योजना के अंतर्गत 25 तरह की मूलभूत सुविधाएं 32 तरह की व्यक्तिमूलक योजनाओं के माध्यम से दे रहे हैं।

मोदी जी का निर्देश है आप लोगों को सारी सुविधाएं मिलनी चाहिए- चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी विशेष रूप से बस्तर के विकास का ध्यान रखते हैं। उन्होंने हमें निर्देश दिये कि संवेदनशील इलाकों में सारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसलिए हमने नियद नेल्लानार आपका अच्छा गांव योजना आरंभ कराई। इन ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आपकी पहल से हमारे गांव तक बिजली पहुंच गई है। अन्य सुविधाओं का रास्ता भी खुल गया है। अब घर में बिजली आ गई है अब खेतों में बिजली चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी को भटकना नहीं है। अपने प्रदेश और देश के विकास के लिए अपनी ऊर्जा लगानी है। आपके गांव के विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हम हमेशा आपके साथ खड़े हैं। हम सभी सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भी इस अवसर पर ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आपके क्षेत्र में विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। नियद नेल्लनार योजना के माध्यम से आपके गांव में तेजी से विकास करने हम कृतसंकल्पित हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में हम आपके लिए सारी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री साय के साथ ही उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं अन्य विधायकों की मौजूदगी में ग्रामीणों के साथ समूह तस्वीर भी ली गई। ग्रामीण इस यात्रा से बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार आज प्रदेश की विधानसभा देखी। बहुत अच्छा और यादगार अनुभव रहा। मुख्यमंत्री जी ने हमें स्वयं विस्तार से विधानसभा के कार्यों के बारे में बताया, हम सब बहुत खुश हैं।

गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बतौर गृहमंत्री माओवाद प्रभावित इलाकों में शांति स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उन्होंने माओवाद प्रभावित इलाकों के युवाओं से संवाद के लिए यह पहल की है। इन इलाकों के लिए विशेष रूप से कार्ययोजना तैयार कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। अस्पताल और स्कूल की मांग रखी- दोनों ही गांवों के निवासियों ने मुख्यमंत्री से स्कूल और अस्पताल की माँग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियद नेल्लानार के माध्यम से हम इन्हीं कार्यों के लिए आगे बढ़ेंगे। इन गांवों की नई पीढ़ी विकास का उजाला देखेगी। हम सब मिलकर नियद नेल्लनार के माध्यम से अच्छा गांव तैयार करेंगे। आप फोन कर बता सकते हैं समस्या- मुख्यमंत्री ने इन ग्रामीणों को कहा कि हम आपकी सभी समस्याओं का हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं स्वयं और मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी इस दिशा में कार्य करेंगे। इस उद्देश्य से एक फोन नंबर की व्यवस्था भी की जाएगी जो केवल आप लोगों के फीडबैक के लिए होगा। आप इससे सीधे संवाद कर सकेंगे। मैं आपके सुखदुख में हमेशा साझा करूंगा। राजिम कुंभ का दर्शन करेंगे ग्रामीण, कृषि महाविद्यालय में उन्नत खेती देखेंगे- ग्रामीण दो दिनों के राजधानी प्रवास पर हैं। आज वे पुरखौती मुक्तांगन, छत्तीसगढ़ विज्ञान केंद्र, विमानतल, डीकेएस हास्पिटल, अंबुजा माल के साथ ही रायपुर शहर का भ्रमण करेंगे। कल ग्रामीण राजिम कुंभ का दर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री साय से सॉफ्ट बॉल खिलाड़ी साकेत व चंद्रहास से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा परिसर में सॉफ्ट बाल खिलाड़ी साकेत बंजारे और चंद्रहास यादव ने मुलाकात की। साकेत ने पटना- बिहार में आयोजित जूनियर सॉफ्ट बाल प्रतियोगिता के बालक वर्ग में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया था। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता रही थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री साकेत एवं श्री यादव की हौसला अफजाई करते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आपके टीम की अच्छे प्रदर्शन ने छत्तीसगढ़ का भी मान बढ़ाया है। इससे बाकी खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें आगे की स्पर्धाओं में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं भी दी। 41 वें जूनियर नेशनल सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप का आयोजन पटना-बिहार में 21 फरवरी से 25 फरवरी तक हुआ था। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की लड़कों की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक पहुंचने तक अजेय रही। छत्तीसगढ़ के टीम ने दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पंजाब, केरल, और आंध्र प्रदेश को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

राजिम कुंभ कल्प में जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजिम कुंभ कल्प के पांचवे दिन कुलेश्वर मंदिर के पास बने डोम में जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने जैविक खेती करने के लिए जोर देते हुए जैविक खेती के फायदा बताया गया। जिससे किसान कम लागत में जैविक पद्धति से अधिक उत्पादन लेते हुए आर्थिक लाभ ले सकें। इस सम्मेलन में बताया गया कि जैविक खेती के लिए जैविक पोषक तत्वों को तीन भागों में बांटा गया है। जिसमें जीवामृत, बीजामृत, घन जीवामृत के निर्माण से खेती को पोषक तत्व देने की विधि बताई। फसलों को कीटों से बचाने के लिए ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र बनाने की विधि की जानकारी किसानों को दी गई। कार्यक्रम में जैविक कृषि करने वाले किसानों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आज महाराष्ट्र के यवतमाल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान राशि की 16वीं किश्त जारी करते हुए उपस्थित किसानों को वर्चुअली संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी ने सम्बोधन में किसानों को जैविक कृषि अपनाने का आव्हान किया। जैविक कृषि सम्मेलन में उपस्थित किसानों ने जैविक खेती को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शामिल कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों के सवालों का जवाब देकर उनकी समस्याओं का समाधान भी किया। साथ ही किसानों को कृषि आधारित अनुदान की राशि चेक वितरित किया गया। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जैविक कृषि के लिए किसानों को प्रेरित करते हुए बताया गया कि जैविक खेती कृषि की वह पद्धति है जिसके द्वारा पर्यावरण, जल एवं वायु को प्रदुषित किये बिना तथा भूमि की सजीवता, जल की गुणवत्ता, जैव विविधता को दीर्घकालीन एवं टिकाऊ उत्पादन प्राप्त किया जाता है। राज्य में विभिन्न योजनाओ के माध्यम से जैविक खेती के प्रति किसानों को जागरूक करने एवं उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य में प्रमाणिक जैविक खेती को बढ़ावा देने प्रचार-प्रसार गतिविधि एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कृषकों द्वारा उत्पादित जैविक खाद्यानों का प्रमाणीकरण मूल्य संवर्धन एवं विपणन हेतु प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में किसानों को उत्तम बीज का चयन के महत्व के बारे में भी बताया गया, जिसके उपयोग से कृषक अधिक उपज ले सकते हैं।

इस अवसर पर कृषि विभाग गरियाबंद के उप संचालक चंदन कुमार रॉय एवं अतिथियों की उपस्थिति में किसान समृद्धि योजना के तहत चेक वितरण किया गया। किसानो को 35 हजार रूपये की चेक राशि किसान लोमश, कन्हैया, दौलत, यशवंत साहू को दी गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड अमर, लता, गिरधर यादव को दिया गया है। जैविक खेती मिशन सम्मान प्रमाण पत्र संजू, चारो बाई, पुरुषोत्तम, बालचंद, कृपाराम को प्रदान किया गया।

राजभाषा आयोग का तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ी प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग द्वारा मंत्रालय महानदी भवन में तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ी प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में मंत्रालयीन अधिकारी कर्मचारियों को छत्तीसगढ़ी को व्यवहारिक रूप से उपयोग के साथ-साथ शासकीय कामकाज में छत्तीसगढ़ी भाषा में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षिणार्थियों को लोक व्यवहार और प्रशासनिक कार्यो में छत्तीसगढ़ी के उपयोग और शब्दावलियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग नवा रायपुर द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ी प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रथम दिवस 26 फरवरी को लगभग 130 मंत्रालयीन कर्मचारी ने प्रशिक्षण का लाभ लिया। जिसमें छत्तीसगढ़ के जाने माने साहित्यविद् और लेखक डॉ. चितरंजन कर ने व्याख्यान दिया और छत्तीसगढ़ी राजभाषा के प्रशासनिक उपयोग के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन 27 फरवरी को शिक्षाविद डॉ. सुधीर शर्मा द्वारा मंत्रालयीन कर्मचारियों को लोक व्यवहार और प्रशासनिक कार्यों में छत्तीसगढ़ी के उपयोग और शब्दावलियों का ज्ञान प्रदान किया। इसी प्रकार से आज 28 फरवरी को प्रशिक्षण सत्र का अंतिम दिवस मंत्रालय के अवर सचिव और अनुभाग अधिकारी स्तर के अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. अनिल कुमार भतपहरी ने प्रदेश में छत्तीसगढ़ी के सांस्कृतिक महत्व, लोकभाषा, शिक्षा और पाठयक्रम में शामिल करने के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ी के संरक्षण और लोक व्यवहार में छत्तीसगढ़ी के प्रयोग को महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षक सहायक प्राध्यपक डॉ. रोशनी मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी को अपने दैनिक व्यवहार में अपनाने बात कही। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा में अब्बड़ मिठास है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी वर्तनी, व्याकरण एवं छत्तीसगढ़ी के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंत्रालयीन कर्मचारी अधिकारी संघ के अध्यक्ष श्री महेन्द्र राजपूत, श्री देवलाल भारती सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने भी संबोधित किया।

जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान का मिल रहा है बेहतरीन प्रतिसाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के अभिनव प्रयासों से बालोद जिले को टीबी मुक्त बनाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा शुरू किए गए निक्षय मित्र बनाने की पहल की बेहतरीन प्रतिसाद मिल रहा है। कलेक्टर चन्द्रवाल के पहल पर जिले को टीबी मुक्त बनाने तथा टीबी के मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु समुचित पोषण आहार प्रदान करने हेतु निक्षय मित्र बनने जिला के अधिकारी, कर्मचारियों के अलावा आम नागरिक भी स्वस्फूर्त आगे आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जिले में टीबी मरीजों के पूरी तरह से ठीक होने तक अधिकतम छः महीने की अवधि के लिए पोषण आहार में सहयोग करने हेतु जिले के अधिकारी, कर्मचारियों एवं आम नागरिक से निक्षय मित्र बनने अपील की गई है। जिला प्रशासन की अपील पर बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारियों एवं जिले के आम नागरिक निक्षय मित्र बनकर टीबी के मरीजों को पोषण युक्त आहार प्रदान कर रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक के नेतृत्व में जिले को टी.बी. मुक्त बनाने की योजना बनाकर उनका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित की जा रही है। इसी प्रकार विकसित भारत संकल्प यात्रा आमापारा में कार्यक्रम के दौरान श्रम पदाधिकारी संजय सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अखिलेश शर्मा, मीडिया से अरुण कुमार उपाध्याय जिला बालोद द्वारा निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को छः माह तक के लिए नि:शुल्क पोषण आहार प्रदान करने का निश्चय किया है।

आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण का प्रयास किया जाए: रमेश सिन्हा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी नेशनल लोक अदालत 9 मार्च 2024 की तैयारियों के संबंध में न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय/मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी, न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं कार्यपालक अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से वीडियो क्रॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष, सचिव, फैमिली कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश, न्यायाधीश, स्थायी लोक अदालत के चेयरमेन, सीजेएम, लेबर जजों की वर्चुअल बैठक ली गई। बैठक में मुख्य

न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने सभी न्यायिक अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आगामी नेशनल लोक अदालत में सिविल, आपराधिक एवं अन्य राजीनामा योग्य प्रकरणों, विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठजनों, पुराने 5 वर्ष एवं 10 वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों, मोटर दुर्घटना दावा से संबंधित मामलों, धारा-138 एनआई एक्ट के मामलों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हांकित कर निराकृत किये जाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पूर्व लोक अदालत में पूर्व की अपेक्षा प्री-लिटिगेशन के मामलों में भी बढ़ोत्तरी करते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्रकरणों को चिन्हांकित कर निराकृत किये जाने का प्रयास किया जाए, ताकि लोक अदालत के मूल मंत्र न्याय सबके लिये को पूरा किया जा सके। इससे किसी भी पक्षकार की हार नहीं होती है, लोक अदालत का फैसला अंतिम होता है और पक्षकार अदालती कार्यवाही से सरलता से मुक्त हो जाता है, साथ ही न्यायालय में लंबित प्रकरणों में भी कमी आती है। उन्होंने सभी न्यायाधीशों को आगामी लोक अदालत की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

वर्चुअल बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री गौतम भादुड़ी ने न्यायाधीशों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बीमा कंपनियों के साथ प्री-सिटिंग एवं समन्वय करते हुए अधिक से अधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों का निराकरण आगामी लोक अदालत में किया जाए, साथ ही धारा-138 एनआई एक्ट जो चेक अनारण से संबंधित होते हैं, उसमें प्रकरण प्रस्तुति के प्रारंभिक ट्रायल स्तर पर ही लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किये जावे, ताकि पक्षकार को अनावश्यक रूप से लम्बी एवं अनेक सुनवाई तिथि से न गुजरना पड़े।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 में 09 मार्च, 11 मई, 14 सितंबर एवं 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन होना है। अवगत हो कि लोक अदालत उच्च न्यायालय से लेकर तहसील न्यायालयों के साथ-साथ राजस्व न्यायालयों में भी आयोजित किये जाते हैं।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

डेढ़ साल के बच्चे को ट्रेन में बिठाकर घर आ गई महिला, अपहरण की झूठी रिपोर्ट लिखाई, गिरफ्तार

रायपुर। बीरगांव की एक महिला अपने डेढ़ साल के बेटे पृथ्वी को लेकर मंगलवार दोपहर 12.15 बजे रेलवे स्टेशन पहुंची। प्लेटफॉर्म में गरीब रथ ट्रेन खड़ी थी। महिला ट्रेन के भीतर गई और खाली सीट पर बैठ गई। पांच मिनट बाद वहां बैठे यात्री को बोली कि वह बाथरूम से आ रही है। बच्चे का ध्यान रखना। उसके बाद वह ट्रेन से उतर गई। ट्रेन रायपुर से रवाना हो गई। वह आटो में बैठकर उरला घर आ गई।

वहां अपने भाई को बताई कि पृथ्वी को कोई उठाकर ले गया। उसके बाद थाने पहुंचकर अपहरण की झूठी रिपोर्ट लिखा दी। थोड़ी देर में उसका झूठ पकड़ा गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के साथ ही बच्चे को उसलापुर स्टेशन पर सुरक्षित उतरवाया गया। पुलिस की टीम बच्चे को लेकर रवाना हो गई है। आरोपी महिला खुशबू विश्वकर्मा अपने भाई के साथ थाने पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि बिरगांव में बच्चे को बाइक वाले उठाकर ले गए। पुलिस की टीम तुरंत बीरगांव के बाजार पहुंची। आसपास पूछताछ करने के अलावा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में जांच की गई। महिला वहां कहीं भी दिखाई नहीं दी। तब सख्ती से पूछताछ की तो महिला ने कहा कि उसका दिमाग घूम गया था। उसने अपने बच्चे को कहां छोड़ा है याद नहीं है। फिर बताया कि वह अपने पति से परेशान है। इसलिए बच्चे को ट्रेन में छोड़ दी है। पुलिस उसे लेकर स्टेशन गई। वहां पता चला कि महिला ने गरीब रथ ट्रेन में बच्चे को छोड़ा।

खेतों में लगे पंप व मोटर के तार चुराता था गैंग, दो बदमाशों से लाखों का केबल बरामद

■ दुर्ग पुलिस की बड़ी सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन व अमलेश्वर थाना क्षेत्र में खेतों में लगे पंप व मोटर का केबल चुराने वाले गैंग को पुलिस ने दबोचा है। गिरोह के चार सदस्य पुलिस के हत्थे चढ़े। इन चोरों के पास से पुलिस ने पांच लाख रुपए से ज्यादा को केबल जब्त किया है। खास बात यह है कि इस पूरे घटना का मास्टर माइंड एक ऑटो चालक है जो पिछले तीन वर्षों सेअपने साथियों के साथ इस तरह की घटनाओं को अंजाम देता था। इस मामले में पाटन व अमलेश्वर थाना क्षेत्र के कई किसानों ने शिकायत दर्ज कराई थी। इन चोरों की गिरफ्तारी के साथ की दुर्ग पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल होने वाले बाइक व ऑटो के साथ औजार भी जब्त किया है।

बता दें थाना अम्लेश्वर के अंतर्गत ग्राम झीट, जामगांव (एम) एवं थाना पाटन क्षेत्रांतर्गत ग्राम रूही, ग्राम बठेना, ग्राम अरसनारा, ग्राम आमापेन्ड्री, ग्राम सांतरा, ग्राम फुण्डा, ग्राम पंदर, ग्राम गुजरा एवं ग्राम चीचा के खेत-खार में सिंचाई कार्य में लगे बिजली तारों की चोरी की लगातार शिकायतें पुलिस को मिल रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस चोरों की तलाश में लगी हुई थी। थानों में लगभग तीन साल से यह शिकायतें मिल रही थी। इस मामले में पाटन व अमलेश्वर थाने की पुलिस चोरों की तलाश में लगी थी लेकिन कहीं कुछ सुराग नहीं मिल रहा था। इसके बाद भी पुलिस ने विवेचना जारी रखी और चोरी के तरीके के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

संदेहियों ने थाने में उगला सच

पूछताछ करने पर दोनों गोलमोल जवाब देने लगे। इसके बाद दोनों को संदेह के आधार पर थाने ले जाया गया और वहां कड़ाई से पूछताछ की गई। दोनों को अलग अलग पूछताछ करने पर बयानों में विरोधाभास दिखा। इसके बाद पुलिस ने सख्ती दिखाई तो ईश्वर मानिकपुरी ने विगत दो वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में खेतखार में बिजली की तारों को चुराना स्वीकार किया। वह अपने साथी कमलेश की मदद से रायपुर में दीपक परपानी के बाद केबल बेचता था। इसके बाद पुलिस ने दीपक परपानी को गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर भारी मात्रा में केबल बरामद किया। पुलिस ने दीपक परपानी के बताए अनुसार बुडा तालाब रायपुर स्थित राकेश डागा गोडाउन से भी भारी मात्रा में केबल बरामद किया है। दोनों ने बताया कि उक्त पूरा माल 120 रुपए प्रति किलो की दर से बेचते थे। इस पूरी कार्रवाई में एसीसीयू से सउनि चन्द्रशेखर सोनी, प्रधान आरक्षक रूमन सोनवानी, चन्द्रशेखर बंजीर, आरक्षक पंकज चतुर्वेदी, राजकुमार चन्द्रा, अश्वनी यदु, मेघराज चेलक, अजय ढीमर एवं थाना पाटन से निरीक्षक राजेन्द्र यादव, आरक्षक दुष्यंत भारती, महिला आरक्षक राजेश्वरी मस्तावर, थाना अम्लेश्वर से उपनिरीक्षक पूनित राम सूर्यवंशी, आरक्षक लक्ष्मी वर्मा की उल्लेखनीय भूमिका रही।

पुलिस की टीम ने शुरू की पेट्रोलिंग

इस बीच पुलिस की टीम द्वारा ग्राम रूही, ग्राम बठेना, ग्राम अरसनारा, ग्राम आमापेन्ड्री, ग्राम सांतरा, ग्राम फुण्डा, ग्राम पंदर, ग्राम गुजरा एवं ग्राम चीचा के खेत-खार के विशेष जगहों को चिन्हांकित करते हुए गस्त, पेट्रॉलिग एवं चेकिंग किया जा था। इस दौरान पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टी को मंगलवार 27 फरवरी की आधी रात को ग्राम सांतरा खार क्षेत्र में एक ऑटो रिक्शा संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। ऑटो में दो व्यक्ति सवार थे जिन्होंने अपना नाम आजाद चौक कुम्हारी निवासी ईश्वरी मानिकपुरी एवं बजरंग चौक मठपुरैना रायपुर निवासी कमलेश सिन्हा बताया। ऑटो में इनके पास एक बोरी मिली जिसमें बिजली तार एवं आरी ब्लेड थी।

सरपंच की सड़क हादसे में हुई मौत, घटना से परिजनों का बुरा हाल, पूरे गांव में शोक की लहर

बलरामपुर। रामानुजगंज में रामचंद्रपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत धमनी के सरपंच एवं सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर सिंह शेषर का अंबिकापुर केंद्रीय विद्यालय में पेरेंट्स मीटिंग में बाइक से जाने के दौरान जरही के समीप चार चक्का वाहन से टक्कर होने से मौके पर ही मौत हो गई। उनकी मौत की खबर जैसे ही गांव में फैली पूरे गांव में मातम पसर गया।

शुरू से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रामसागर शेषर सरपंच का पहली बार चुनाव लड़े तो उन्होंने एकतरफा मतों से गांव में जीत हासिल की। धमनी सहित आसपास के गांव में भी उनकी लोकप्रियता थी। उनकी स्वच्छ एवं कर्मठ इमानदार सरपंच के रूप में छवि रही। वे सरपंच संघ के रामचंद्रपुर विकासखंड के ब्लॉक अध्यक्ष भी थे। ग्राम भाला के सरपंच बीरबल सरुता एवं ग्राम चिनिया के सरपंच अमावस सहित अन्य सरपंचों ने कहा कि उनका आकस्मिक निधन होना पूरे सरपंच संघ के लिए अपूर्णीयक्षति है। सहज रूप से हम लोगों को विश्वास नहीं हो रहा है कि हम लोगों के बीच अब रामसागर नहीं रहे। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोक संतृप्त परिवार को वियोग सहने की शक्ति प्रदान करें। उनके बचपन के मित्र ललन पाल ने बताया कि वे शुरू से बहुत ही व्यवहार कुशल एवं सहयोगी किस्म के व्यक्ति थेम उनके हृदय में बहुत ही करुणा एवं दया भरा हुआ था।

हुल्लड करने से मना करने पर बदमाशों ने घर में लगा दी आग, झुलसने से मां-बेटे की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में दो बदमाशों ने खौफनाक हत्याकांड को अंजाम दिया। घर के पास हुल्लड़बाजी करते हुए खपरेल तोड रहे बदमाशों को मना करने पर वे इतने आक्रोशित हो गए कि आधी रात को घर पहुंचे और आग लगाकर बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। आगजनी में बुजुर्ग महिला व उसके बेटे की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के तीन दिन बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 302,307,436 342,120 (B) के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

दरअसल घटना तीन दिन पहले 24 व 25 फरवरी की दरमियानी रात की है। बलौदाबाजार शहर के भैंसापसरा क्षेत्र में वृद्धा आश्रम के पास एक मकान में आग लगने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस के पहुंचने से पहले आसपास के लोगों ने आग बुझाना शुरू कर दिया। जब तक आग पर काबू पाते घर पर रहने वाले चार लोग बुरी तरह से झुलस गए। जैसे-तैसे पड़ोसियों द्वारा दरवाजा खोलकर घर अंदर से आग में फंसे लोगों को बाहर निकाला और सभी को तत्काल उचित उपचार के लिए जिला अस्पताल बलौदाबाजार पहुंचाया गया। अस्पताल में कमला साहू (60) व उसके बेटे सोनू साहू (28) की मौत हो गई। वहीं रानू साहू (34) व संध्या साहू (10) गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों का फिलहाल इलाज जारी है।

रायपुर से बुलाई गई फोरेंसिक टीम

हादसे के बाद जब पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया तो यह घटना अप्रत्याशित लगी। पुलिस को शंका थी कि किसी ने जानबूझ कर आग लगाया है। इसके बाद पुलिस ने आगजनी करने वाले बदमाशों की तलाश शुरू की। इसके लिए रायपुर मुख्यालय से विशेष तौर पर फारेंसिक की टीम बुलाई गई जिसने विवेचना को दिशा दी। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि घटना के समय घर दरवाजा बाहर से बंद रहा था। साथ ही सायबर सेल से निरीक्षक लखेश केंवट, आरक्षक हेमंत नायक की टीम द्वारा मामले में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल आदि का तकनीकी विश्लेषण कर मानवीय सूचना से अहम सुराग ढूंढने का प्रयास किया।

आग लगाकर बाहर से कर दिया दरवाजा बंद

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बताया कि मृतका कमला साहू से इनका विवाद हुआ था। पुलिस ने बताया कि मृतक परिवार द्वारा अपने घर के सामने झिल्ली आदि से परछी बनाया गया था तथा साथ ही सामने साड़ी, रस्सी से घेर दिया गया था। दोनों बदमाश इस घेरे में लगे साड़ी को फाड़ दिया करते थे। कमला साहू द्वारा बार-बार मना करती थी। 24 फरवरी की शाम को भी दोनों ने परछी में लगे साड़ी एवं रस्सी को फाड़ दिया गया था। इसके बाद कमला साहू का इनसे विवाद हुआ। इसके बाद दोनों बदमाशों ने कमला साहू को सबक सिखाने की योजना बनाई। योजना अनुसार दोनों ने 24-25 फरवरी की दरम्यानी रात कमला साहू के घर में आग लगा दिया एवं घर का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। झिल्ली, लकडी आदि से बने परछी एवं एक कमरे का खपरैल से बने घर में आग तेजी से फैला, जिससे मृतकों को बाहर निकलने एवं मदद के लिए लोगों को बुलाने का मौका भी नहीं मिल पाया। इस मामले में दोनों आरोपी करण बघेल एवं दौलत सोनवानी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जेल भेज दिया गया है।

पड़ोस के दो युवक निकले आरोपी

सभी पहलुओं की जांच करने पर पता चला कि इस आगजनी में निश्चित ही किसी स्थानीय एवं घर के आसपास रहने वाले कोई शामिल हैं। इसके बाद टीम का पूरा ध्यान उसी मोहल्ले में ही रहने वाले संदिग्धों पर रहने लगा। इस बीच पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतकों के पड़ोस में ही रहने वाले करण बघेल एवं दौलत सोनवानी को पकड़ा। दोनों आदतन बदमाश हैं। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपराध स्वीकार कर लिया। दोनों बदमाशों ने इस आगजनी का जो कारण बताया उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया।

ऑनलाइन सट्टा को लेकर आईजी सख्त, पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने एसपी को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। ऑनलाइन सट्टा को लेकर दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल ने बुधवार को एक अहम बैठक अपने कार्यालय में ली। इस दौरान उन्होंने जिले के एसपी जितेन्द्र शुक्ला को ऑनलाइन सट्टा कारोबार पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि ऑनलाइन सट्टा, महादेव एप के आरोपियों के केस में त्वरित कार्रवाई की जाए। साथ ही ऑनलाइन सट्टा के लंबित मामलों पर निराकरण प्राथमिकता से करते हुए चालान पेश किया जाए।

पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग के द्वारा पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला एवम थाना प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण और जरूरी वर्चुअल बैठक बुलाई। जिसमें ऑनलाइन सट्टा महादेव एप के आरोपियों के केस के बारे में चर्चा की गई। बैठक में, पुलिस महानिरीक्षक ने सरकारी नीतियों के अनुसार, ऑनलाइन सट्टा के आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि केसों की जांच त्वरित और निष्पक्षता से की जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

बैठक में उन्होंने पुलिस अधीक्षक दुर्ग को सख्ती से ऑनलाइन सट्टा और अन्य अवैध क्रियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिए है, साथ ही पुलिस महानिरीक्षक के द्वारा ऑनलाइन सट्टा प्रकरणों में आरोपियो के गिरफ्तारी और जमानत पर छुटने के संबंध में जानकारी ली। आरोपियों की संपत्ति के संबंध में भी जानकारी लेकर संपत्ति के विलयन के संबंध में निर्देशित किया, जो ऑनलाइन सट्टा के केस में साबित होते हैं। भारत से अन्य देश में रहने वाले भगोड़े अपराधियो के संबंध में रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने संबंधी अन्य निर्देश भी दिए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेंद्र शुक्ला, आईजी कार्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद्मश्री तंवर, उप पुलिस अधीक्षक पनिकराम कुजूर, उप पुलिस अधीक्षक शिल्पा साहू, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी आशीष बंछोर व दुर्ग पुलिस के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद आईजी रामगोपाल गर्ग ने आम लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी ऑनलाइन सट्टा या अपराधिक गतिविधियों के खिलाफ सतर्क रहें और सक्रियता से सहयोग करें।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय अधीक्षण अभियंता
शिवनाथ मण्डल, दुर्ग (छ.ग.)
ई- प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(द्वितीय आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 153236/निविदा सूचना क्र. 28/वलेलि/ 2023-24, राजनांदगांव, दिनांक 27.02.2024

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 15.03.2024 17.30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का नाम:-	राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड राजनांदगांव अंतर्गत बोटेपार जलाशय के मुख्य नहर सी.सी. लाईनिंग कार्य 0 मी. से 2160 मी., शाखा नहर आर.डी. 0 मी. से 2850 मी. तक, 03 नग व्ही.आर.बी., 03 नग इनलेट एवं 15 नग आउटलेट का निर्माण कार्य.
अनुमानित लागत:	रु. 191.34 लाख

(दिनांक 01.08.2010 के एस.ओ.आर. तथा संशोधित 22.08.2022 के अनुसार)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई- प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 05.03.2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते हैं.

नोटः- निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई- प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत कराना अनिवार्य है.

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव (छ.ग.)
कृते- अधीक्षण अभियंता शिवनाथ मण्डल दुर्ग (छ.ग.)

जी-08143/9

:: कार्यालय पुलिस अधीक्षक दूरसंचार भिलाई जोन, भिलाई ::

सेक्टर- 6, भिलाई (छ.ग.), फोन/फैक्स- 0788-2283351

क्रमांक - पुअ/दूसं./भि./भवन/151 /2024 दिनांक - 16/02/2024

पुलिस अधीक्षक दूरसंचार भिलाई जोन हेतु ठेकेदार की श्रेणी "द" (D) में रखते हुए निम्नांकित निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

स.क.	कार्य का विवरण	राशि	धरोहर राशि
1	पुलिस प्रशिक्षण शाला भिलाई परिसर में निर्माणाधीन भवन में फिलिंग एवं पेव्हर ब्लॉक (30×30) लगाने का कार्य	9,37,000/-	28,110/-
2	पुलिस प्रशिक्षण शाला परिसर में निर्माणाधीन बैरक के भू-तल में टाईल्स, 3 फीट का दीवाल, ग्रील वर्क एवं एल्युमिनियम वर्क।	5,04,000/-	15,120/-

निविदा बिकी की अंतिम तिथि :- 07/03/2024 दोपहर 15:00 बजे तक
निविदा जमा की अंतिम तिथि :- 08/03/2024 दोपहर 14:00 बजे तक
निविदा खोलने की अंतिम तिथि :- 08/03/2024 दोपहर 15:00 बजे से 17:00 बजे तक

टीप :- अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

पुलिस अधीक्षक (दूरसंचार)
भिलाई जोन भिलाई

जी-08174/3

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9303289950, 9827806026
8962815243

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

बीएसपी द्वारा ग्राम बोरई में चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी क्रम में 28 फरवरी 2024 को ग्राम बोरई में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। बोरई में आयोजित चिकित्सा षिविर में कुल 51 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:षुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ सीमा वर्मा, फ ार्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, शुगर एवम बीपी परीक्षण के लिए फिरोज जोसेफव पंजीयनकर्ता शम्भू दयाल तथा विभाग की ओर से सिन्हा उपस्थित थे। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' के लिए ग्रीनटेक अवॉर्ड जीता

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र को 'ग्रीनटेक पीसीडब्ल्यूआर अवार्ड्स 2024' की 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता घोषित किया गया है। ग्रीनटेक फाउंडेशन ने एक पत्र के माध्यम से सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता को पुरस्कार जीतने के लिए सूचित किया और बधाई दी है। ग्रीनटेक फाउंडेशन, नई दिल्ली से प्राप्त पत्र में सूचना दिया गया है कि 'इनोवेटिव वेस्ट मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी' श्रेणी के विजेता का पुरस्कार 19 अप्रैल 2024 को गुवाहाटी (असम) में आयोजित पुरस्कार समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र को सौंपा जाएगा। गौरतलब है कि भिलाई इस्पात संयंत्र ने हाल के दिनों में वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में कई कदम उठाए हैं। इसके अंतर्गत बीओएफ स्लैग को पेवर ब्लॉक में परिवर्तित करना शामिल है जिसके लिए सेल ग्रीन टाइल्स प्लांट (एसजीटीपी) का उद्घाटन जून 2023 में किया गया था। एसजीटीपी की स्थापना मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन) तापस दासगुप्ता के नेतृत्व और कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार के मार्गदर्शन में की गई थी। एसजीटीपी में उत्पादित पेवर ब्लॉकों का उपयोग प्लांट के अंदर और टाउनशिप क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है।

अवैध कब्जाधारियों के विरूद्ध संपदा न्यायालय के आदेश पर निरंतर कार्यवाही जारी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएं विभाग के प्रवर्तन अनुभाग तथा भट्टी थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा 27 फरवरी 2024 को मस्जिद रोड, जे पी चौक से लेकर भिलाई विद्यालय चैक (रोड नंबर-03) में अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही 28 फरवरी 2024 को भी जारी रही। इन अवैध कब्जाधारियों द्वारा सड़क पर बांस बल्ली से घेराव कर दुकान लगाया जाता था, जिसके कारण सड़क पर ट्रैफिक जाम के कारण दुर्घटना की स्थिति निर्मित हो जा रही थी। नागरिकों द्वारा निरंतर शिकायत भी किया जा रहा था। इसके अलावा कुछ अनाधिकृत व्यावसायियों द्वारा लगाए गए कपड़े की दुकानों, चश्मा व बेल्ट की दुकानों को हटाया गया।

विधायक रिकेश की पहल पर क्षेत्र के हजारों लोगों को मिलेगी राहत, दो मांगों पर सदन में हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के द्वितीय सत्र में बुधवार को वैशाली नगर के लिए वर्षों से लंबित और अटकी हुई दो प्रमुख मांग पर वैशाली नगर विधायक ने पहल करते हुए लगभग 5 हजार लोगों को बड़ी राहत दी है।

आज तीस वर्ष से विवादित 293 प्लाट और हाउसिंग बोर्ड कालोनी के 724 क्वार्टर के मामले में विधायक रिकेश ने मजबूती से न केवल सदन में मुद्दा उठाया बल्कि वो दोनों मामलों में वर्षों से परेशान लगभग 5 हजार लोगों को राहत दिलाने राज्य सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की नतीजतन संबंधित विभाग के मंत्री ने सदन में दोनों ही मामलों पर जनहित में राहत की घोषणा करते हुए संबंधितों को शीघ्र पहल करने निर्देश भी दिए हैं। भिलाई के 293 प्लाट प्रकरण पर दुर्ग कलेक्टर को जिम्मेदारी दी गई है जबकि हाऊसिंग बोर्ड कालोनी के 724 क्वार्टर यथास्थान पर पुनर्निर्माण कर इनमें लंबे समय से निवास कर रहे लोगों को सौंपने की घोषणा की है।

विधायक रिकेश सेन ने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के संबंध में सदन का ध्यानाकर्षण कराते हुए कहा कि यहां के रहवासियों ने 20-25 साल हाउसिंग बोर्ड को किराया दिया है जो कि मकान निर्माण लागत का 3 गुना से भी अधिक है। कई धरना, भूख हड़ताल के बाद भी इच्छाशक्ति के अभाव में यहां रह रहे लगभग 3 हजार लोगों की समस्या का समाधान नहीं हुआ।

1965 से 1975 के बीच तीन और दो मंजिला बिल्डिंग के माध्यम से निजी उद्योग कर्मचारियों के लिए हाऊसिंग बोर्ड द्वारा डीआईसी की जमीन पर ये 724 क्वार्टर बनाए गए थे। जिसका मेंटेनेंस भी हाऊसिंग बोर्ड को करना था, बदले में 30 रूपये प्रति माह हर घर से किराया तथा हर वर्ष 60 रूपये जल कर लिया जाता था। एक बिल्डिंग की निर्माण लागत 96000 तथा प्रति घर लागत 4000 थी। जिसके लिए 25 वर्षों तक किराया के रूप में हर श्रमिक से लगभग पौने 2 लाख किराया लिया गया। 724 आवास में से 12000 रूपये और लेकर 19 लोगों की रजिस्ट्री की गयी। 131 लोगों ने रजिस्ट्री के लिए रूपये वर्ष 2000 से 2003 तक दिए लेकिन उनकी रजिस्ट्री नहीं हुई।?2003 में जब हाउसिंग बोर्ड ने किराया 30 रूपये से अचानक 300 कर मेंटेनेंस बंद कर दिया तो यहां के लोगों ने किराया बंद कर दिया। 2007 में निगम ने बिल्डिंग कंडम घोषित कर दिया जिसके 16 साल बाद भी लगभग 3 हजार लोग इन आवासों में रह रहे हैं चूंकि इन्होंने वर्षों किराए के रूप में निर्माण लागत का कई गुना अधिक रूपया दिया है अत: इन आवासों का पुनर्निर्माण कर इनमें रह रहे लोगों को मालिकाना हक दिया जाए। हमारी डबल इंजन की सरकार है, मोदीजी सभी के सिर पर पक्की छत और मकान की सौगात देते रहे हैं इसलिए वैशाली नगर विधानसभा के लगभग 3 हजार परिवारों को हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से घर बना कर दिए जाएंगे।

कार्नीवाल के माध्यम से जन-जन को शत-प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करने निकाली रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की उपस्थिति में जिला पंचायत दुर्ग में कार्नीवाल का आयोजन किया गया। जिसमें कार्नीवाल के माध्यम से 'जन-जन को साक्षर बनाना है शत-प्रतिशत मतदान कराना है' टैग लाइन के साथ जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कार्नीवाल का आयोजन किया गया।

कलेक्टर चौधरी एवं सीईओ ने हरी झण्डी दिखाकर रेली को रवाना किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्नीवाल के माध्यम से उल्लास नवभारत साक्षर कार्यक्रम का आगाज करना एवं जिले के मतदाताओं को शतप्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित कर जागरूक करना है। कार्यक्रम में 10 से 12 महाविद्यालय, विद्यालय एवं स्वयंसेवी संस्था के लगभग 450 युवाओं को शामिल किया गया।

जिन्होंने स्वयं मतदान करने व स्वयंसेवी बनकर कार्नीवाल के माध्यम से जन-जन को मतदान करने व असाक्षरों को साक्षर करने का संदेश दिया।

कलेक्टर सु चौधरी एवं सीईओ ने मतदान की शपथ ली साथ ही उपस्थित सभी सदस्यों ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम से जुड़कर असाक्षरों को शिक्षा प्रदान करने की प्रतिज्ञा ली एवं स्वंय मतदान करने व दूसरों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कलेक्टर ने कहा दुर्ग जिले को पूरे राज्य में ही नही अपितु राष्ट्रीय स्तर पर शत-प्रतिशत साक्षर जिले के रूप में गौरवान्वित बनाना है। उन्होंने कार्निवल माध्यम से आमजनों को मतदान करने के संदेश के साथ अपने घर, वार्ड एवं ग्राम के आस-पास असाक्षरों का चिन्हांकन कर मतदान हेतु प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम में कलेक्टर सु ऋचा प्रकाश चौधरी, सीईओ अश्वनी देवांगन, डीईओ अभय जायसवाल व शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारीगण, युवोदय संस्था के साथ दुर्ग कल्याण महाविद्यालय सेक्टर 07 भिलाई, शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी भिलाई, स्वामी स्वरूपानंद महाविद्यालय हुडको, रूंगटा महाविद्यालय कुरूद, सेंट थॉमस महाविद्यालय रिसाली, खालसा महाविद्यालय दुर्ग, सेठ बद्रीनाथ खंडेलवाल महाविद्यालय दुर्ग, बी.आई.टी दुर्ग, शास. आदर्श कन्या उ.मा. विद्यालय दुर्ग एवं शास. उ. मा. विद्यालय तिलक दुर्ग के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ स्वयं सिद्धा समूह रिसाली भिलाई के महिला सदस्य भी शामिल रहें।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की आपूर्ति के लिए आवश्यक तैयारी करें - आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आगामी ग्रीष्म ऋतु में भिलाई निगम क्षेत्र के निवासियो को पेयजल की किल्लत न हो इसे लेकर हमे पर्याप्त तैयारी रखना होगा। जिसके लिए समय पर उच्चस्तरीय जलागार की सफाई, पाईप लाईन लिकेजो का संधारण, हैण्ड पम्प, पावर पम्प चालू हालत में हो।

निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने बुधवार को निगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में निगम क्षेत्र के सभी वार्डो के बस्तियो में लोगो को पर्याप्त मात्रा में पेयजल व निस्तारी पानी मिले इसके लिए हमे आवश्यक तैयारी करना होगा। सभी जोन के ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाये जहॉ गत वर्ष पानी की समस्या से जुझना पड़ा हो, उन क्षेत्रो के हैण्ड पम्प, पावर पम्प की जॉच कर आवश्यक संधारण किया जावे। पानी टंकी एवं सम्पवेल की सफाई समय पर हो तथा पेयजल आपूर्ति हेतु बिछाये गये पाईप लाईन का सभी जोन आयुक्त जॉच कर लिकेज पाये जाने की स्थिति में संधारण कार्य पूर्ण करवा लें ताकि आखरी छोर तक पानी का प्रेशर बना रहे। जिन क्षेत्रो में टेंकर के माध्यम से जल आपूर्ति किया जाना है ऐसे मोहल्लो की पहचान कर निविदा संबंधी आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण कर लेवें। आयुक्त ने आनलाईन शिकायत पोर्टल निदान में पानी के प्राप्त शिकायतो पर सभी जोन आयुक्त तत्काल कार्यवाही कर निराकरण करने को कहा । जिस किसी भी क्षेत्र का पेयजल जॉच के दौरान दुषित पाया जाता है।

विधायक गजेंद्र ने बच्चों को दिलाई क्रिकेट किट, बच्चों संग क्रिकेट खेलते हुए बल्लेबाजी में रंग जमाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। रविशंकर स्टेडियम के पास विधायक गजेंद्र यादव ने बच्चों संग क्रिकेट खेला और 12 गेंद में 17 रन बनाये। विधायक को अपने बीच पाकर बच्चे हंसी ठिठोली करते हुए काफी देर तक क्रिकेट खेले, उनसे बैटिंग और बॉलिंग करवाए, इसके बाद बच्चों ने क्रिकेट किट की मांग किये जिसे विधायक ने उनकी मांग तुरंत पूरी किये। विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की रविशंकर स्टेडियम के पास छोटे-छोटे बच्चों कों क्रिकेट खेलता देख बचपन के दिनों कीं यादे ताजा हो गई, और मैं स्वयं को रोक नहीं पाया और मैंने भी इन बच्चों के साथ बैटिंग और बॉलिंग पर अपना हाथ आजमाया और कुछ समय के लिए मानों मेरी सारी थकान दूर हो गई। क्रिकेट खेलने के बाद बच्चों ने विधायक से क्रिकेट किट की मांग किये जिस पर उन्होंने खेल सामग्री वाले दुकान से बच्चों के लिए बैट, बॉल, स्टम्प सहित क्रिकेट खेल सामग्री उपलब्ध कराए। विधायक ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी से भी अपील किये कि स्वस्थ शरीर और सेहतमंद बने रहने के लिए कोई भी एक खेल को दिनचर्या में शामिल करें।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के लिए इंडस्ट्री 4.0 पर कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के कर्मचारियों के बीच उद्योग 4.0 के प्रमुख घटकों, विनिर्माण उद्योग में इसकी प्रासंगिकता और वर्तमान विनिर्माण प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, बीएमडीसी द्वारा एक जन जागरूकता कार्यक्रम मॉड्यूल डिजाइन किया गया है। अधिकारियों और कार्मिकों की व्यापक संख्या को कवर करने के लिए, बीएमडीसी (एचआरडी) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को एक श्रृंखला में आयोजित करने की योजना बनाई गई है।

इस श्रृंखला में पहला जागरूकता कार्यक्रम 27 फरवरी 2024 को बीएमडीसी में आयोजित किया गया था, जिसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों के 27 अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य संचालक और डिजाइनर, महाप्रबंधक

(एचआरडी-बीएमडीसी) संजीव श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम की संरचना और वर्तमान संदर्भ में उद्योग 4.0 की प्रासंगिकता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि यदि किसी विभाग द्वारा अनुरोध किया जाता है, तो बीएमडीसी के साथ-साथ संयंत्र के अंदर भी उद्योग 4.0 पर जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन महाप्रबंधक (इन्कॉस) श्री रविशंकर ने किया, जो बीएसपी की डिजिटलाइजेशन टीम के भी प्रमुख हैं। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने उद्योग 4.0 के तहत उपलब्ध डिजिटलीकरण उपकरणों को लागू करने के लिए कर्मचारियों के बीच विचार प्रक्रिया को विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया और यह जन जागरूकता कार्यक्रम सही दिशा में एक कदम है। डीएक्स टीमों के सदस्य विभिन्न सत्रों के फेकल्टी थे, जिन्होंने विभिन्न एआई उपकरणों के माध्यम से कार्यक्रम को इंटरैक्टिव बनाया।

कार्यक्रम के अंत में, प्रतिभागियों ने उनके द्वारा नियंत्रित विभिन्न प्रक्रियाओं में सीखे गए अनुप्रयोगों के बारे में अपने विचार साझा किए। इसकी व्यवहार्यता परखने हेतु डीएक्स टीमों द्वारा सभी विचारों को एकत्र और संकलित किया गया। प्रबंधक (एचआरडी) सुश्री अवंती वुचुला ने कार्यक्रम का समन्वय और संचालन किया।

सहकर्मियों के साथ अच्छे पारस्परिक संबंध बनाएं और हमेशा कुछ कर दिखाने का जज्बा रखें: जीपी ओझा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के कर्मी और अधिकारी, चाहे किसी भी पायदान पर कार्यरत हो, हमेशा कुछ बेहतर करने हेतु प्रयासरत रहते हैं। रिटायरमेंट के पश्चात भी इनका लगाव अपने विभाग या सहकर्मियों से लगा रहता है। ऐसे ही एक व्यक्ति हैं जी पी ओझा जो प्रोडक्शन प्लानिंग एंड कंट्रोल विभाग के सी जी एम पद से रिटायर हुए। ओझा अपना अनुभव और सीख हमसे साझा करते हैं और बताते हैं उनके नेतृत्व में लिए गए कुछ पहल ने विभाग और संयंत्र को कैसे लाभ पहुंचाया।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ पर विजय: वर्ष 1987-88 में बीटीआई प्रशिक्षण के बाद मैं बीबीएम (मिल) में शामिल हो गया। उस समय औसत रोलिंग लगभग 750 से 800 इंगट्स प्रतिदिन थी। चूंकि बीबीएम एक मैनुअल मिल थी, निष्पादन पूरी तरह से मैन्युअल स्किल और विशेष

रूप से टोंग्स क्रेन ऑपरेटरों और कॉगर्स दोनो के स्किल और उनके साथ हमारे व्यक्तिगत संबंधों पर निर्भर था। हमें मिल को 45 इंगट्स प्रति घंटे की दर से अच्छी तरह सोक की हुई इंगट्स सप्लाई करनी थीं और कॉगर को इसे रोल करना था। पिट्स के चयन के लिए सावधानीपूर्वक योजना की आवश्यकता होती थी, क्योंकि ये कई कारकों से प्रभावित होती थी। हमने उपरोक्त सभी कठिनाइयों पर काबू पा लिया और वर्ष 1993-94 में रोलिंग दर को बढ़ाकर 900 इंगट्स प्रतिदिन से अधिक कर दिया गया।

अच्छा प्रदर्शन कर दूसरों के लिए उदाहरण बनें: साथ सहकर्मियों के साथ अच्छे पारस्परिक संबंध बनाएं: बीबीएम में काम करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा अनुभव था। सबसे अच्छी बात जो मैंने वहां सीखी वह, यह है कि सहकर्मीयों के साथ कैसे व्यवहार करना है और उनकी क्षमताओं से सर्वश्रेष्ठ कैसे पाना है। मिनट टू मिनट योजना बनाना और उसका क्रियान्वयन मुख्य स्किल था जो मैंने वहां सीखा।

सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई में, पहले अच्छा प्रदर्शन करना होता है और अच्छे पारस्परिक संबंध स्थापित करते हुए, दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करना होता है। मेरे विचार से केवल तभी कोई व्यक्ति एक सफल प्रबंधक बन सकता है। दूसरी सबसे महत्वपूर्ण गुण है ईमानदारी। अगर आप ईमानदार हैं तो लोग आपका सम्मान करेंगे और आपका अनुसरण करेंगे।

लक्ष्य हासिल करने योजना बनाएं और अपनी टीम को साथ लेकर चलें: मध्य प्रबंधन स्तर पर, पाली में काम करते समय, हमारा मुख्य उद्देश्य उत्पादकता को बढ़ाना और उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना था, जो मुझे लगता है कि हम करने में सक्षम रहे। बीबीएम में सोकिंग पिट और फिर प्लेट मिल में रिहिटिंग फर्नेस संचालन के प्रभारी के रूप में, मैंने यह सुनिश्चित किया कि मेरी टीम उत्पादन स्तर और उत्पाद की गुणवत्ता बनाये रखे। हमने उपकरणों को अच्छी स्थिति में रखने के लिए नए और बेहतर तरीके सीखा। प्लेट मिल में, हम लगभग 1500 स्ट्रे स्लैबों की पहचान करने और उन्हें ऑर्डर के अनुसार रोल करने में सफल हुए, जिससे कम्पनी ने भारी मात्रा में राजस्व अर्जित की।

पीपीसी के प्रभारी के रूप में मेरी टीम ने इनपुट और आउटपुट को संतुलित करके सभी शॉप्स को फीड करने की पूरी कोशिश की जब एसएमएस-3, यूआरएम और बीआरएम स्टेबलाइज हो रहे थे। हम बाजार की आवश्यकताओं के अनुसार कई नए ग्रेड के उत्पाद विकसित कर सकें, जिससे हमारी इकाइयों का भरपूर उपयोग कर अधिक राजस्व अर्जित किया गया।

एसएमएस-1 और बीबीएम बंद हो जाने के बाद मिलों को फीड उपलब्ध कराना, सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे हमने सावधानीपूर्वक और योजनाबद्ध तरीके से सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया। एसएमएस में उत्पन्न एनसीओ सामग्रियों की उचित मार्केटिंग भी एक उल्लेखनीय उपलब्धि थी। वित्तीय वर्ष 2021-22 सेल के इतिहास में लाभ और राजस्व अर्जित करने के क्षेत्र में सबसे अच्छा वर्ष था।

अच्छी पारी खेलने का मौका मिला: मैं भाग्यशाली था कि मैं उस टीम का हिस्सा रहा, जिसने वर्ष 1990 से 2010 के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। बीबीएम ने अपनी निर्धारित उत्पादन क्षमता हासिल की और 2.6 मिलियन टन तक पहुंच गई।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत विकासखण्ड के लिए 98.66 लाख रुपए स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए विकासखण्ड दुर्ग के दुर्ग नगर विधानसभा के 32 कार्यो के लिए 98 लाख 66 हजार 667 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक गजेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित उक्त कार्यो का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्र. 39 कचहरी वार्ड मुकुंद भवन के सामने कचहरी तालाब में पचरीकरण कार्य के लिए 10 लाख रूपए, वार्ड क्रं 29 पॉलिटेक्निक कॉलेज के पास शहीद हेमु कालाणी चौक में सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख 99 हजार 937 रूपए, वार्ड क्रं 56 शिव मंदिर पटेल पारा बघेरा दुर्ग के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 56 साहड़ा देवता कृष्ण मंदिर बघेरा दुर्ग के पास मंच निर्माण के लिए 2 लाख रूपए, वार्ड क्रं 56 बघेरा कार्तिक कुंआ के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 51 बोरसी हनुमान मंदिर शनि मंदिर सुभाष चौक दुर्ग के पास मंच निर्माण 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 35 बजरंग नगर लक्ष्मीनारायण मंदिर दुर्ग के पस मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 59 कातुलबोर्ड शीतला तालाब के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 10 शंकर नगर शीतला मंदिर के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, वार्ड क्रं 29 कुंआ चौक के पास मंच निर्माण व पांच बिल्डिंग के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए, शिव मंदिर के पास मंच निर्माण के लिए 2 लाख रूपए, वार्ड क्रं 15 मन्नु साहू घर के पास मंच निर्माण के लिए 3 लाख रूपए स्वीकृत की गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950